राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,26 अक्टूबर–2021 वर्ष–4,अंक–275 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

युवक के दुष्कर्म से किशोरी हुई गर्भवती, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरूकी जांच

क्रांति समय ,सूरत

सूरत,शहर के पांडेसरा क्षेत्र में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अपने प्रेम जाल फांसने वाले युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसे छोड़ उत्तर प्रदेश चला गया। किशोरी के गर्भवती होने पर पूरा मामला सामने आने पर पांडेसरा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरूकी है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले की कोंधियाला तहसील के अकोडा गांव का मूल निवासी विनोद चिरंजीवीलाल केशरवानी सूरत के पांडेसरा क्षेत्र की गीतानगर सोसायटी में रहता था और नौकरी कर परिवार की आर्थिक मदद करता था। करीब डेढ़ साल पहले विनोद ने उसके बगल की सोसायटी में रहनेवाली एक किशोरी को बहला फुसलाकर अपने प्रेमजाल में फांस लिया। किशोरी उसकी बातों आकर जब वह बुलाता उससे मिलने चली जाती। अप्रैल 2021 के दौरान विनोद किशोरी को एक होटल में ले गया। जहां विनोद ने किशोरी के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद भी यह सिलिसला जारी रहा। हांलाकि बाद में विनोद अपने गांव चला गया। दूसरी ओर किशोरी गर्भवती हो गई और इसका पता पांच महीने बाद हुआ। बेटी के गर्भवती होने का पता चला तो माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। बाद में पिता ने पांडेसरा पुलिस थाने में विनोद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पांडेसरा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। बताया जाता है कि पुलिस की एक टीम आरोपी विनोद को गिरफ्तार करने उत्तर प्रदेश भी रवाना हो गई है।

बारडोली तालुका भाजपा अध्यक्ष निलंबित, भाजपा कार्यालय में एक लड़की से छेड़छाड़ का आरोप

क्रांति समय ,सूरत

बारडोली तालुका भाजपा अध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। सूरत जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप देसाई ने कहा कि बारडोली तालुका के भाजपा अध्यक्ष को छेड़खानी मामले में उनके पद से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें भाजपा सदस्य के पद से निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बारडोली तालुका भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र सिंह वासिया पर भाजपा कार्यालय में एक लड़की से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। कुछ दिन पहले सूरत जिले में बीजेपी के केंद्रीय कार्यालय में छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था . इस बीच लड़की ने जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप देसाई को फोन कर शिकायत दर्ज कराई थी। फिर तीन दिन पहले जब से उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के सूरत कार्यालय में जाकर प्रेजेंटेशन दिया तब से मामला गरमा गया है.

जितेंद्रसिंह वसिया की फाइल फोटो

यह निर्धारित किया जाएगा कि राज्य स्तरीय भाजपा कार्यकर्ता संदीप देसाई (सूरत जिला भाजपा अध्यक्ष) ने कहा, बारडोली तालुका कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र सिंह वसियाने को अध्याय के पद से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें भाजपा सदस्य के पद से निलंबित कर दिया गया है। वह भाजपा में बतौर कार्यकर्ता रहेंगे या नहीं, यह राज्य स्तर पर तय होगा।

परिवार ने बहादुरी से किया लुटेरों का मुकाबला, दो शख्सों को दबोच किया पुलिस के हवाले

क्रांति समय ,सूरत

वलसाड,जिले के गाडरिया गांव में लूट के इरादे से घुसे लुटेरों की उम्मीदों पर परिवार की बहादुरी ने पानी फेर दिया। परिवार के सदस्यों ने लुटेरों को

न सिर्फ बहादुरी से मुकाबला बल्कि आसपास के लोगों की मदद से दो शख्सों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वलसाड पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर फरार अन्य एक आरोपी की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के गाडरिया गांव निवासी जतीन पटेल के घर में तीन शख्स लूट के इरादे से घुसे थे। घर में घुसने के बाद लुटेरों ने जतीन पटेल पर हमला कर दिया और उन्हें बंधक बनाने के बाद लूट शुरू कर दी। हांलाकि उस वक्त जतीन पटेल की पत्नी जाग उठी और लुटेरों को देख चीखने चिल्लाने लगी। चीख पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी जाग गए और लुटेरों को धक्का मार दिया। जिसमें एक लुटेरे सीढियों से नीचे जा गिरा। इस दौरान गांव में आसपास के लोग जतीन पटेल के घर पर जमा हो गए और भागने का प्रयास कर रहे दो लुटेरों को दबोच लिया। जबकि एक लुटेरा मंगल सूत्र और आई फोन लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों ने दो लुटेरों की जमकर धुनाई की और दोनों को बांधने के बाद पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। लुटेरों के हमले में घायल जतीन पटेल को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से वलसाड के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार लुटेरे की तलाश शुरूकर दी है।

साइबर अपराध को सिर उठाने से पहले ही कुचलने को तैयार गुजरात पुलिसः मुख्यमंत्री

भूपेंद्र पटेल ने गुजरात पुलिस के साइबर सेफ मिशन का किया शुभारंभ साइबर धोखाधड़ी और अपराधों को लेकर नागरिकों को जागरूक करने विभिन्न प्रकल्पों का प्रारंभ

क्रांति समय ,सूरत

अहमदाबाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साफ तौर पर कहा कि गुजरात पुलिस अत्याधुनिक तकनीक और उपकरणों का अधिकतम उपयोग करते हुए साइबर क्राइम सहित अन्य अपराधों को सिर उठाने से पहले ही कुचलने को तैयार है। अहमदाबाद शहर पुलिस की साइबर अपराध शाखा की ओर से शुरू किए गए जागरूकता अभियान 'साइबर सेफ मिशन' का सोमवार को अहमदाबाद में शुभारंभ करते हुए उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि अपराध के घटित होने के बाद उसकी जांच करने और अपराधियों तक पहुंचने के बजाय पुलिस बेड़े ने अब नए जमाने और टेक्नोलॉजी के अनुरूप प्रो-एक्टिव पुलिसिंग का कौशल विकसित किया है। उन्होंने कहा कि आज मोबाइल, इंटरनेट और साइबर युग के बढ़ते दायरे के साथ साइबर अपराध करने वाले लोग भी बड़े पैमाने पर ऐसे अपराधों के जरिए लोगों को धोखाधड़ी और आर्थिक ठगी का शिकार बना रहे हैं, ऐसे में समाज में ऐसे अपराधों के खिलाफ जनजागरूकता पैदा करने में यह साइबर सेफ मिशन एक सक्षम माध्यम बनेगा। पटेल ने कहा कि सरकार इस तरह की आधुनिक तकनीक का उपयोग और आयोजन कर रही है जिससे नागरिकों को कम से कम या नगण्य मुश्किलों से गुजरना पड़े। इससे राज्य के नागरिकों की सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो रही है। इस संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आधुनिक टेक्नोलॉजी और विकास के साथ समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति को जोड़ने के सरकार के प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोगों को साइबर अपराध का शिकार बनने से रोकने के लिए एक जनआंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोग जितने ज्यादा जानकार होंगे, उतने ही सुरक्षित रहेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की महिलाओं को साइबर सुरक्षा के संबंध में मार्गदर्शन देती डॉ. अनंत प्रभुजी लिखित पुस्तक 'साइबर सेफ गर्ल' का विमोचन किया। उन्होंने आर.एल. नरसिम्बा रावजी द्वारा साइबर अपराधों और विभिन्न हैकिंग गतिविधियों के संबंध में जानकारी देने वाली वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट साइबरसेफअहमदाबाद डॉट ओआरजी को लॉन्च भी किया। वर्तमान साइबर दुनिया में युवा और साइबर सुरक्षा विषय पर गुजरात पुलिस की ओर से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के 3 विजेताओं को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इसके अलावा, गुजरात पुलिस की ओर से स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों में साइबर हैकिंग और साइबर फ्रॉड के खिलाफ जागरूकता पैदा करने तथा विद्यार्थियों को इस तरह के अपराधों का शिकार बनने से रोकने के लिए आयोजित की गई हैकाथॉन के विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

गुजरात एटीएस ने बीएसएफ के जवान को किया गिरफ्तार, पाकिस्तान से साझा कर रहा था गुप्त जानकारी

क्रांति समय ,सूरत

कच्छ, गुजरात एटीएस ने बोर्डर सिक्युरिटी फोर्स के एक जवान को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार जवान बीएसएफ की गुप्त और अति संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के साथ साझा कर उसके बदले में मोटी रकम प्राप्त करता था। जम्मू-कश्मीर का मूल निवासी सज्जाद उर्फ मोहमद इम्तियाज वर्ष 2012 में बीएसएस में शामिल हुआ था। जुलाई 2021 से कच्छ के गांधीधाम में तैनात था। गुजरात

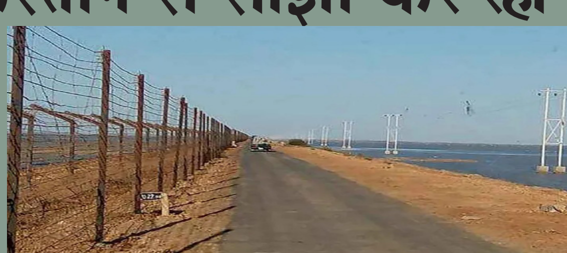

एटीएस को सूचना मिली थी कि सज्जाद गुप्त और अति संवेदनशील जानकारी अपने मोबाइल के जरिए पाकिस्तान के साथ साजा कर राष्ट्रविरोधी गतिविधियां कर रहा है। सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस ने सज्जा इम्तियाज शेख के संदर्भ में गुप्त जांच की और सूचना पुख्ता होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि सज्जाद शेख के पासपोर्ट के मुताबिक वह 2011-12 में समझौता एक्सप्रेस ट्रेन से पाकिस्तान गया था। पाकिस्तान में सज्जाद 46 महीने तक रूका था। सज्जाद के मोबाइल में जांच में पता चला कि वह दूसरे सिम कार्ड का उपयोग करता था, जो त्रिपुरा के पते लिया गया था। इस नंबर पर वोट्सएप को ओटीपी मैसेज आया था और इसे सज्जाद ने पाकिस्तान भेजा था। पाकिस्तान में अब भी इस नंबर पर वॉट्सएप चालू है। पाकिस्तान के साथ गुप्त जानकारी साझा करने एवज में सज्जाद शेख को जो रकम मिलती थी उसे वह अपने भाई वाजीद और उसके दोस्त इकबाल रशीद के खाते में जमा करवाता था। बता दें कि कच्छ गुजरात का सीमावर्ती जिला है और उसकी जमीनी सीमा पाकिस्तान से जुड़ी हुई है और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफ की है। ऐसे में यदि बीएसएफ का कोई जवान देश के साथ गद्दारी कर पाकिस्तान के साथ अति गुप्त जानकारी साझा करता है तो भारत के लिए कितना बड़ा खतरा हो सकता है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

प्रत्यारोपण में कामयाबी

अंग प्रत्यारोपण विज्ञान उस दिशा में बढ़ चला है, जहां जानवरों के अंग इंसानों में लगाना और आसान हो जाएगा। वैज्ञानिकों ने एक सुअर के गुर्दे को अस्थाई रूप से मानव शरीर से जोड़ने में कामयाबी हासिल की है। जानवर के गुर्दे को बाहर से ही मानव शरीर की धमनियों से जोड़कर दो दिन तक देखा गया और गुर्दे ने वही काम किया, जो उसे करना चाहिए था। एनवाईयू लैंगोन हेल्थ में पिछले महीने सर्जिकल टीम का नेतृत्व करने वाले डॉक्टर रॉबर्ट मोंटगोमरी ने कहा, 'यह बिल्कुल सामान्य था। इसमें मानव शरीर ने जानवर के अंग को तत्काल नामंजूर नहीं किया, जैसी आशंका थी।' मानव जाति के लिए यह महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पड़ाव है। यह वैज्ञानिक सफलता रोगियों, वैज्ञानिकों और नियामकों को आश्वस्त करेगी कि प्रत्यारोपण विज्ञान बिल्कुल सही दिशा में बढ़ रहा है। जानवरों में विशेष रूप से सुअरों के अंगों पर काफी समय से प्रयोग जारी हैं। जाहिर सी बात है, मानव और जानवर के अंगों के कार्य में आधारभूत समानता के बावजूद प्रत्यारोपण कठिन रहा है। उदाहरण के लिए, सुअर के अंगों में एक प्रकार का सुगर होता है, जो मानव शरीर से जुड़ाव को रोकता है। आम तौर पर जब सुअर के किसी अंग को मानव शरीर के साथ जोड़ा जाता है, तो इस विशेष सुगर की वजह से मानव शरीर जानवर के अंग को नामंजूर कर देता है। अतः सुअर की कोशिकाओं में मौजूद इस खास सुगर को खत्म करने के लिए वैज्ञानिक प्रयोग कर रहे थे। इस जानवर के शरीर में ऐसे जेनेटिक बदलाव किए जा रहे थे, ताकि उसके शरीर में यह सुगर निर्मित ही न हो। अभी जिस जानवर के अंग को इंसानी शरीर के साथ जोड़कर प्रयोग किया गया, उसमें वह खास सुगर मौजूद नहीं था। प्रत्यारोपण में एक अन्य समस्या भी होती है, रोग प्रतिरोधी क्षमता का संतुलन। शरीर दर शरीर यह क्षमता अलग-अलग होती है। अभी जिस सुअर के अंग का इस्तेमाल किया गया, उसके रोग प्रतिरोधक तंत्र को भी मानव शरीर के अनुरूप जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से विकसित किया गया है। यह विकास चिकित्सा विज्ञान को बहुत समृद्ध कर देगा। वह दिन दूर नहीं, जब मानव अंगों के अनुरूप अंग जानवरों में जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से विकसित किए जाएंगे और उनका सफल प्रत्यारोपण हो सकेगा। यह बात छिपी नहीं है कि बबून, बंदर इत्यादि के अंगों के साथ लगातार प्रयोग होते रहे थे, लेकिन नैतिकता और मानवीयता संबंधी सवालों की वजह से सुअरों पर प्रयोग ज्यादा आसान माना जाता है। इस जानवर के जीन में बदलाव इंसानों के लिए कारगर सिद्ध होने वाला है। गौर करने की बात है कि सुअर के हृदय के वाल्व का इंसानों में दशकों से सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। रक्त पतला करने वाला हेपरिन इसी जानवर की आंतों से प्राप्त होता है। पिग स्किन ग्राफ्ट का उपयोग जलने पर किया जाता है। दृष्टि बहाल करने के लिए पिग कॉर्निया का उपयोग संभव है। इंसानों के लिए अंगों की जरूरत बढ़ती जाएगी। कई दवा या चिकित्सा कंपनियां इस काम में लगी हैं। ध्यान रहे, अकेले अमेरिका में 90,000 से अधिक लोग गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए कतार में हैं। हर दिन 12 लोग इंतजार करते मर जाते हैं। अतः हम अंग प्रत्यारोपण विज्ञान में किसी भी विकास का महत्व समझ सकते हैं।

'आज के ट्वीट

चमक

अगर आपका साथ देने के लिए आपके पास अच्छे दोस्त हैं, ऐसे दोस्त जिनकी नीयत साफ़ है, तो आपके चेहरे पर वो चमक दिखाई देगी जो कहीं और नहीं मिलेगी.

-- रजत शर्मा

मानवीय समझ का प्रकाश फैलाये शिक्षा

अविजीत पाठक

हाल ही में 'संसद टीवी' चैनल को दिए एक साक्षात्कार में गृह मंत्री अमित शाह ने व्यथा प्रकट करते हुए कहा, 'अनपढ़ व्यक्ति कभी भी भारत का एक अच्छा नागरिक नहीं बन सकता।' उनके मुताबिक, एक अशिक्षित इनसान देश पर बोझ है क्योंकि न तो उसे संविधान द्वारा खुद को मिले अधिकारों का भान होता है और न ही उन फर्जों का, जो अपेक्षित हैं। प्रथम दृष्टया भले ही इस किस्म के वक्तव्य से यह आभास बनता हो कि मंत्री महोदय शिक्षा और ज्ञान के आलोक को काफी महत्व दे रहे हैं और साक्षर एवं जागृत नागरिक बनाने के लिए शिक्षा संस्थानों का नेटवर्क बढ़ाने की जरूरत गिना रहे हैं। तथापि यदि हम गहराई से विचार करने का साहस करें तो इस सारे विषय पर जिस तरीके का नजरिया उनका है, उसमें गंभीर समस्या को बूझ पाना असंभव नहीं है। एक अशिक्षित व्यक्ति को बोझ मानना गलत है। ऐसा कहना, उसकी आत्मा और इनसानियत को नकारना है। एक भूमिहीन किसान, मछुआरा, रेहड़ी वाला, भवन निर्माण श्रमिक-दूसरे शब्दों में कहें तो एक अनपढ़ मातहत-बेशक ये लोग संविधान की धाराओं से अनभिज्ञ हों, न ही मूल अधिकारों और निर्देशों-सिद्धांतों पर भाषण देने लायक हों, लेकिन इतना जरूर है कि वे उन 'जानकारों' जैसे नहीं हैं, जो घातक किस्म के चालाक, राजनीतिक एवं नैतिक रूप से गैर जिम्मेवाराना हैं। आमतौर पर ये लोग कठोर परिश्रम करने वाले हैं और बिना किसी को तंग करे, जैसे भी हो, गुजर-बसर कर लेते हैं। हम उन आधारभूत समस्याओं से मुंह नहीं मोड़ सकते जो हमारे समाज के सामने मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे कि निष्ठुर असमानता, वर्णीय ऊंच-नीच और दबाने वाला समाज, जिसमें अमीरों को विशेषाधिकार प्राप्त हैं और जो आगे अनवरत सामाजिक-आर्थिक गैर-बराबरी पैदा करता जा रहा है। किसी को भी गरीब होना पसंद नहीं है और न ही बंधुआ मज़दूर बनने में मजा आता है या फिर घरविहीन होना, न ही कोई तमाम तरह के अभिशापों से भरा जीवन जीना चाहेगा। असल बोझ है पितृ सत्तात्मक-जाति-वर्ण-सामंती मानसिकता के घालमेल से बना तंत्र और उभरता नवउदारवादी पूंजीवाद, यह मिलकर भोंडी प्रचुरता के बीच पैदा करते हैं भूख और कुपोषण, अमीरों के लिए बने अंतर्राष्ट्रीय विद्यालयों के बीच बाल-मजदूर और यही विद्रूपता दलितों, महिलाओं और हाशिए पर आने वाले अन्य वंचित वर्गों को हतोत्साहित करती है। पढ़ाई की 'मुख्यधारा पद्धति', जो आज शिक्षण क्षेत्र में हावी है, वह गरीब को दरपेश मुश्किलों के प्रति असंवेदनशील है। अन्य शब्दों में, गृह मंत्री ने तंत्र-ढांचे में व्याप्त कमियों पर सवाल उठाने के बजाय इल्जाम अशिक्षितों पर डाल दिया है। यह करना आसान है, क्योंकि ताकतवर से जवाबतलबी करने को अलग किस्म की अंतर्दृष्टि और साहस की जरूरत होती है। फिर, अमित शाह ने एक अन्य बुनियादी सवाल पूछने की जहमत नहीं उठाई, अर्थात 'शिक्षा है क्या?' जहां एक ओर अनपढ़ता का महिमामंडन करने या समर्थन करने की कोई वजह नहीं है, वहीं हम लोग, जो खुद को विशेषाधिकारयुक्त, साक्षर और पढ़े-लिखे कहलवाते हैं, क्या कर रहे हैं? अगर अपने आसपास देखें और इस तथ्य को मानना गवारा करें कि हम जैसे, जो विश्वविद्यालयों से शिक्षित हैं, तकनीकी कौशल युक्त एवं आर्थिक रूप से गतिशील हैं-जरूरी नहीं कि सब पवित्र आत्माएं हों, जो संवैधानिक सिद्धांतों की भावनानुसार चलने वाली और परोपकारी हैं। हम में से बहुतेरे, बेलगाम उपभोक्तावाद से ग्रस्त हैं, दहेज-रिश्वत कबूल करने में नहीं झिझकते, घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, प्रकृति से खिलवाड़ करके इसको नष्ट करते हैं, निगरानी और युद्धोन्माद पैदा करने की साजिशें रचते हैं, आयकर न चुकाने के रास्ते खोजते हैं, ज़हर उगलने वाले खबरिया चैनलों के फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले एंकरों से अभिभूत हो बह उठते हैं, अपने घरेलू नौकरों का शोषण करते हैं, अपने बच्चों को देश छोड़कर बेहतर संभावना वाले यूरोप-अमेरिका में जा बसने को उत्साहित करते हैं, आदर्शवाद से ओतप्रोत युवाओं को जेल में डाल देते हैं। शाह साहब को अधिक गहरे में उतरने की जरूरत है, यह अहसास करना कि तथाकथित शिक्षित या औपचारिक शिक्षा युक्त होना यानी पढ़ाई में स्वर्ण पदक विजेता अथवा कक्षा में अव्वल होने का मतलब जरूरी नहीं कि वह संविधान में बताए आदर्शों का पालन करने में भी दृढ़निश्चयी हो जाएगा, और ऐसी जिंदगी जीने लगेगा, जिससे मानवीय समझ का प्रकाश फैलता हो। इसके बजाय, शिक्षा के नाम पर ज्यादातर हम लोग केवल साजिशकारी और मशीनी बुद्धि पैदा कर रहे हैं, जिसका प्रेम-स्नेह-न्याय युक्त दुनिया रचने के लिए आवश्यक संयुक्त जिम्मेवारी वाले अहसास से कुछ लेना-देना नहीं है। क्या हमारे लिए यह संभव है कि आईआईटी या आईआईएम से पढ़कर निकले युवा जो फाटक के पीछे सुरक्षित और आलीशान परिसरों में रहते और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों में काम करते हैं-इनको वैसे सपने सच में देखना अच्छा लगेगा जैसे कभी गांधी, अंबेडकर और भगत सिंह ने देश निर्माण हेतु संजोए थे। क्या अमित शाह के लिए यह संभव है कि उन नामी वकीलों की शुचिता पर सवाल उठाएं, जो पैंतरों वाले कौशल का इस्तेमाल कर झूठ को सच बनाते या अदालतों में जुर्म के स्याह रंग को निर्दोषता की सफेदी में तबदील कर डालते हैं? या क्या शाह साहब के लिए संभव है उन आईएएस-आईपीएस अधिकारियों से जवाबतलबी करना, जो संविधान को ताक पर रखकर स्थानीय विधायक, सांसद या मंत्री की मनमर्जी के सामने समर्पण कर देते हैं? यदि उनके दिल में वाकई अनपढ़ों के लिए दर्द है तो उन्हें शिक्षा के स्वरूप में सुधार करना चाहिए। यह मामला शिक्षण संस्थानों के हाजरी रजिस्टरों का आंकड़ा गिनवाने से कहीं अलग है, न ही प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों का महिमामंडन करते विज्ञापनों जैसा है। बल्कि उन्हें अहसास होना चाहिए कि शिक्षा का मतलब यह नहीं कि एक बच्चा भर्ती हो गया, एक बहुत कम वेतन लेने वाले या अकल्पनाशील अध्यापक से पढ़कर रट्टू तोता बन जाए, जिसके लिए 'ए' से एप्पल' और 'क्यू से क्वीन' हो या फिर राष्ट्रभक्ति का पर्याय 'जय श्रीराम' का नारा लगाना हो। एक बंधन मुक्त शिक्षा देने के लिए जरूरी है पाओले फ्रेरे की सुझाई 'पेडागॉगी ऑफ द ऑप्रेस्ड' (वंचित बच्चे की मनोस्थिति के मुताबिक शिक्षा) अर्थात सीखने का वह तरीका जो बच्चे की अंदरूनी इनसानियत, प्रतिक्रियात्मकता और रचनाशीलता का सम्मान करती हो, या पढ़ाने का वह ढंग जो उसे मौजूदा व्यवस्था पर सवाल करने लायक बनाए। दूसरे शब्दों में, मुक्त शिक्षा हर गांव और झुग्गी बस्ती में जीवंत विद्यालयों और पढ़ाने की ललक लिए शिक्षक समुदाय के बिना संभव नहीं है और इसके लिए जरूरी है राजनीतिक जागृति और रूहानियत से परिपूर्ण अध्यापकों या राह दिखाने वालों की, जिसकी वजह से समुदाय उनका आदर करे, जो गरीबों और शोषितों को हिकारत से देखने के बजाय उनके साथ संवाद करें, उन्हें संभावना मानकर प्यार से पढ़ाए, उनमें छिपी क्षमता को पहचान कर तराशे और उस संस्कृति पर सवाल उठाने लायक बनने को बढ़ावा दे, जो असमानता, सामाजिक ऊंच-नीच, आत्मुग्धता भरे वर्ग और आर्थिक शोषण को बढ़ावा देने वाली है। क्या अमित शाह इस संभावना पर विचार करने को तैयार हैं? या फिर उनसे यह उम्मीद करना बहुत ज्यादा है?

लेखक समाजशास्त्री हैं।

हिंसा

आचार्य रजनीश ओशो/ एक युवती ने मुझसे कहा था कि हर महीने यह बात बार-बार लौट आती है कि जीवन में कोई अर्थ नहीं है, मर जाना चाहिए। अभी तो उसने जीवन देखा भी नहीं है। छोटे बच्चों तक के मन में मरने का खयाल आ जाता है। तो अगर मृत्यु की कोई आकांक्षा भीतर न हो तो ये मरने के खयाल कहां से अंकुरित होते हैं? मृत्यु की आकांक्षा भी भीतर है। और जब हम पाते हैं कि जीवन संभव नहीं रहा, तो मृत्यु की आकांक्षा हमें पकड़ लेती है। यह बात इसलिए भी जरूरी है कि जगत में हर चीजें द्वंद्व में होती हैं। प्रकाश है, तो अंधेरा है; और जीवन है, तो मृत्यु है; अकेला जीवन नहीं हो सकता। तो अगर भीतर जीवेषणा है, तो मृत्यु-एषणा भी होनी ही चाहिए। यह सारा जगत द्वंद्व पर खड़ा है। यहां हर चीज अपने विपरीत के साथ बंधी है। विपरीत न हो, यह संभव नहीं मालूम होता। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात को स्वीकार करने लगे हैं कि जीवन के सब नियम विपरीत पर खड़े हैं, और ऐसा कोई नियम नहीं है जिसका विपरीत नियम न हो। विपरीत न हो तो वह हो ही नहीं सकता। करीब-करीब हालत ऐसी है, जैसे एक मकान को बनाने वाला राजगीर उलटी ईंटें लगा देता है दरवाजे पर, गोल दरवाजा बन जाता है। विपरीत ईंटें एक-दूसरे को सम्हाल लेती हैं। जिंदगी विपरीत ईंटों से बनी है। यहां हर चीज का विरोध है, और विरोध के तनाव में ही संतुलन है। जैसे एक लकड़ी के दो छोर होंगे, एक छोर नहीं हो सकता, ऐसे ही जीवन की सब चीजों का दूसरा छोर भी है कितना ही अज्ञात हो। तो फ्रायड चालीस वर्ष निरंतर लोगों का मनोविश्लेषण करके इस नतीजे पर पहुंचा कि लोगों को पता नहीं है, उनके भीतर मृत्यु की आकांक्षा भी है। पर हालत ऐसी है, जैसे एक सिक्का होता है, उसके दो पहलू होते हैं। एक पहलू ऊपर होता है तो दूसरा नीचे दबा होता है, जब दूसरा ऊपर आता है तो एक पहला नीचे चला जाता है। जवान आदमी में जीने की आकांक्षा प्रबल होती है, मृत्यु की आकांक्षा नीचे दबी रहती है। कभी-कभी किसी बेचैनी में, किसी उपद्रव में सिक्का उलट जाता है; जिंदगी की आकांक्षा नीचे और मौत की ऊपर आ जाती है। बूढ़े आदमी में मृत्यु की आकांक्षा ऊपर आ जाती है, जीवन की आकांक्षा नीचे दब जाती है। कभी-कभी किसी वासना के उद्दाम प्रवाह में सिक्का उलट जाता है और बूढ़ा भी जीना चाहता है। लेकिन एक ही वासना का आपको पता चलेगा, दोनों एक साथ आपको दिखाई नहीं पड़ सकतीं; क्योंकि एक ही पहलू आप देख सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कश्मीर की फिज़ाओ में आतंकवाद का ज़हर

(लेखिका - सोनम लववंशी)

कश्मीर की फ़िज़ाओं में एक बार फ़िर आतंक की गोलियां सुनाई दे रही है और जिहादी आतंकी कश्मीर की वादियों में पुनः अपने नापाक इरादों को अंजाम दे रहें हैं। बड़ी दु:खद बिडम्बना है कि जिस कश्मीर में अमन-चैन होना चाहिए। वहां ये जिहादी मौत का तांडव कर रहें हैं। इतना ही नहीं जो वादियां सैलानियों से गुलज़ार होनी चाहिए। वहां आएं दिन आतंकी घटनाएं हो रही। ऊपर से हिंदुओं को टारगेट करके उन्हें मौत के घाट उतारा जा रहा है। जो बेहद ही दु:खद और चिंताजनक है। 2019 में जबसे मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर राज्य से अनुच्छेद-370 और आर्टिकल-35 (ए) हटाया है। तभी से सामान्य राज्यों की भांति जम्मू और कश्मीर में भी संविधान पूर्णरूप से अधिनियमित और अंगीकृत हो गया है। ऐसे में अगर किसी धर्म विशेष से जुड़े लोगों को टारगेट करके मौत के मुँह में डाला जा रहा तो यह सरेआम संविधान का अपमान ही है, लेकिन इसको लेकर न विपक्ष कभी कुछ कहती है और न ही मौकापरस्त जम्मू कश्मीर के राजनीतिक दल कभी इन मुद्दों पर बल देते हैं। उन्हें तो कश्मीर की वादियों की सत्ता प्यारी है। तभी तो वह बंदूक उठाने वाले आतंकियों को भी भटका हुआ युवा करार देने पर तुले रहते हैं। वैसे भी सियासत हो या आतंकवाद से जुड़े लोग। शायद उन्हें कश्मीर की फ़िज़ाओं में मोहब्बत का रंग रास नहीं आता। तभी तो अक़्सर कश्मीर में जिहाद की चिंगारी धधकती रहती है। भले वह बात चाहें वर्षो पुरानी हो या अनुच्छेद- 370 और आर्टिकल- 35 (ए) ख़त्म होने के बाद की स्थिति। ऐसे में समझ यही आता है कि कहीं जिहाद, आतंक और धर्म के नाम पर कश्मीर का जलते रहना ही उसकी नियति तो नहीं। गौरतलब हो कि बीते कई दिनों से आतंकवादी 'टारगेट किलिंग' के जरिए अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे है और उनका मकसद साफ है कि किसी तरह डरा धमका कर अपना राज चलाया जाये। ऐसे में देखा जाये तो ये सारी घटनाएं कहीं न कहीं पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और अफगानिस्तान की शह पर ही हो रही है, लेकिन कहीं न कहीं हाथ किसी न किसी भीतरघात करने वालों का भी है। वरना इतनी आसानी से सीमा के भीतर कोई ऐसा दु:साहस कर लें। यह समझ नहीं आता। गौरतलब हो कि केंद्र सरकार ने भले ही कश्मीर से अनुच्छेद- 370 और आर्टिकल- 35 (ए) हटा दिया हो। जिससे दूसरे राज्यों के लोगों को अचल संपत्ति खरीदने का अधिकार मिल गया है, लेकिन ये वर्तमान दौर की कड़वी सच्चाई है कि कश्मीर में बाहरी लोग तो दूर वहां दशकों से रह रहे हिंदुओं का भी अमन-चैन दूभर है। ऐसे में जिन वादियों में कभी नवविवाहिता घूमने के सपने सजाती थी उन वादियों में मौत का मातम पसरा हुआ है। कश्मीर तो वही है लेकिन कश्मीर की फिजा जरूर बदल गई है। ये बात लोग शायद भूल गए है कि धरती पर कहीं जन्नत देखनी हो तो कश्मीर का जिक्र होता था, लेकिन आज एक बार फिर वही कश्मीर आतंकवाद की बलि चढ़ रहा है। बता दें कि कश्मीर में कहीं न कहीं 1990 का इतिहास एक बार फिर दोहराया जा रहा है। जब हजारों कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़कर रातों रात कश्मीर से पलायन करना पड़ा था। एक बार फिर वही साजिश कश्मीर में रची जा रही है। श्रीनगर के मशहूर फार्मेसी के मालिक माखनलाल बिंदरू को जिस तरह से मौत के घाट उतारा गया उससे आतंकवादियों के मंसूबे साफ नजर आ रहे है। यह कोई पहली घटना नहीं है जब आतंकवादियों के हौसले बुलंद हुए हो। आतंकियों ने लाल बाजार इलाके के गोलगप्पा बेचने वाले वीरेंद्र पासवान की हत्या तक कर डाली। सिर्फ बिहारी या कहें कि बाहरी होने की सजा अपनी जान देकर उन्हें चुकानी पड़ी। वर्षों से लाल बाजार की सड़कों पर गोलगप्पे का ठेला चलाने वाले वीरेंद्र को मारते समय आतंकियों की रूह तक नही कांपी। एक पल में भरे पूरे परिवार को अनाथ कर दिया।

अब बात प्रिंसिपल सतिंदर कौर और शिक्षक दीपक चंद की करे तो उन्हें भी सिर्फ हिन्दू होने की सजा चुकानी पड़ी। सतिंदर कौर अपनी आधी सैलरी अनाथ बच्चों पर खर्च करती थी। यहां तक कि उसने एक मुस्लिम बच्ची तक को गोद ले रखा था। जिसका सारा खर्च वह स्वयं उठती थी। यह सुनकर भला किसका कलेजा नहीं पसीजेगा? लेकिन फ़िर भी उन्हें मौत की नींद सुला दिया गया। ऐसे में निःसन्देह यह कहना गलत नहीं होगा कि कश्मीर में इस्लामिक आतंकवाद का दौर शुरु हो गया है और ये अलग बात है कि फ़ारुख अब्दुल्ला और महबूबा मुफ़्ती की नजरों में ये जिहादी भटके हुए नौजवान है। यही वजह है कि इस रक्तरंजित घटना के बाद भी इन नेताओं की ज़ुबान पर ताले लगें है। वैसे राजनेताओं के कहने ही क्या? उन्हें तो सिर्फ वोट बैंक की राजनीति भर करनी होती है। उन्हें भला कब किसी गरीब की मौत का दर्द दिखाई देता है। सो वही रीति-नीति कश्मीर में भी अपनाई जा रही है। ऐसे में अब कश्मीर में कोई सामाजिक संगठन आगे नहीं आएगा? कोई धरना प्रदर्शन नहीं होगा? होना भी नही चाहिए क्योंकि इन मुद्दों पर बोलकर भला उन्हें कोनसा राजनीतिक लाभ होगा? सो वो चुप है। नुकसान तो उन्हें आर्टिकल- 35 (ए) हटने पर हो रहा था, अनुच्छेद-370 हटने पर हो रहा था। तब सारा विपक्ष मिलकर बोला था और आज सभी खमोश है और यही खमोशी कहीं न कहीं हमारे लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है, लेकिन विपक्ष की नज़रों में तो आज के समय में खतरा कुछ और ही है। शायद यही तो एक लोकतंत्र की खूबी है। जहां अपने-अपने लिहाज़ से सभी राजनीतिक दल के अपने मुद्दे हैं, लेकिन बात फ़िर घूम-फिरकर वहीं आ जाती कि आख़िर कश्मीर में हिंदुओं की टारगेट किलिंग क्यों और इस पर कांग्रेस और स्थानीय नेताओं की चुप्पी आख़िर कब तक? वैसे यहां एक बात सच है कि कश्मीर में 1920 में 'डोगरा राज' चलता था और तब कश्मीरियों ने अपनी ज़मीन और नौकरी को बचाने के लिए एक नारा भी दिया था कि, 'कश्मीर फ़ॉर कश्मीरीज' । इतना ही नहीं एक विशेष बात यह नारा वहां रहने वाले पंडितों ने ही दिया था। लेकिन बदकिस्मती देखिए कि जिन पंडितों ने यह नारा दिया था उन्हें ही कश्मीर छोड़कर जाना पड़ा। ऐसे में बात अगर कश्मीर के मूल निवासी हिंदुओ की करे तो उनकी सभ्यता व संस्कृति पांच हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है। कहते है कि कश्मीर का नाम कश्यप ऋषि के नाम पर ही रखा गया था। लेकिन एक ही पल में लाखों कश्मीरी पंडितों को अपने घर द्वार छोड़कर शिविरों में शरण लेनी पड़ी। अफ़सोस की इतिहास की इतनी बड़ी घटना पर तमाम राजनीतिक दल आजतक चुप्पी साधे रहे। यह घटना किसी और धर्म के लोगो के साथ होती तो देश तो दूर विदेशों तक से विरोध के स्वर प्रखर हो उठते। हमारे देश के राजनेता तक इस घटना के बाद यह बयान देने से बाज नहीं आये की कश्मीरी हिंदुओ के पलायन का निर्णय उनका स्वयं का निर्णय था। ऐसे में जब हमारे राजनेता ही अन्याय होता देख आंख मूंद ले तो हश्र भी यही होना था। वैसे कश्मीर में हालात कभी सामान्य नहीं रहे।

जिस कश्मीर का जिक्र उसकी सुंदरता को लेकर किया जाना चाहिए। वह आतंकवाद का गढ़ बनकर रह गया। फ़िर इसमें दोष किसका। यह खोजने बैठेंगे। फ़िर बात दूर तक जाएगी। ऐसे में वर्तमान में जीना ही बेहतर है, लेकिन कश्मीर के हिन्दू तो वर्तमान में भी इस्लामिक आतंकवाद का शिकार हो रहें। ऐसे में सरकार को सख़्त कदम उठाने की जरूरत है।

क्रांति समय

मंगलवार 26 अक्टूबर-2021

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने में 182 रुपये की तेजी, चांदी 178 रुपये टूटी

नयी दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 182 रुपये की मजबूती के साथ 47,023 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,841 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 178 रुपये की गिरावट के साथ 64,721 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 64,899 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्य 18 पैसे घटकर 75.08 प्रति डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,800 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया जबकि चांदी 24.48 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,800 डॉलर प्रति औंस होने के बाद सोने की कीमतों में मजबूती रही।''

सॉफ्टवेयर समस्याओं के कारण टेस्ला ने फुल सेल्फ-ड्राइविंग सॉफ्टवेयर बीटा को वापस लिया

सैन फ्रांसिस्को। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता टेस्ला ने कंपनी के फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) बीटा सॉफ्टवेयर के नवीनतम संस्करण को रिलीज होने के एक दिन से भी कम समय में अस्थायी रूप से वापस ले लिया है। रविवार को एक ट्वीट में, टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने कहा कि रोलबैक संस्करण 10.3 के साथ कुछ मुद्दों के कारण था। मस्क ने ट्वीट किया, 10.3 के साथ कुछ मुद्दों को देखते हुए, अस्थायी रूप से 10.2 पर वापस आना पड़ा है। उन्होंने कहा, कृपया ध्यान दें, यह बीटा सॉफ्टवेयर के साथ अपेक्षित है। आंतरिक क्यूए (गुणवत्ता आश्वासन) के साथ सभी परिस्थितियों में सभी हार्डवेयर कॉन्फिगरेशन का परीक्षण करना असंभव है, इसलिए सार्वजनिक बीटा को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। चालक वाहन के लिए जिम्मेदार रहता है, और उसे स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखने और नियंत्रण लेने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता होती है। मस्क उन ग्राहकों के लिए बीटा सॉफ्टवेयर की व्यापक रिलीज का वादा कर रहे हैं, जिन्होंने कुछ समय के लिए एफएसडी पैकेज (जिसकी कीमत वर्तमान में 10,000 डॉलर है) खरीदा है। पूर्ण सेल्फ-ड्राइविंग क्षमताओं में ऑटोपायलट, ऑटो लेन चेंज, समन (मोबाइल ऐप या कुंजी का उपयोग करके अपनी कार को एक तंग जगह से अंदर और बाहर ले जाना) पर नेविगेट करना शामिल है। टेस्ला ऑटोपायलट से संबंधित कई दुर्घटनाएं भी हुई हैं, वर्तमान में यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन(एनएचटीएसए) द्वारा जांच की जा रही है।

सीएसबी बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 72 प्रतिशत

नई दिल्ली । सीएसबी बैंक ने कहा कि सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 72 प्रतिशत बढ़कर 118.57 करोड़ रुपये रहा है। केरल के निजी क्षेत्र के बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 68.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। सीएसबी बैंक ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 555.64 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले समान तिमाही में यह 513.77 करोड़ रुपये थी। संपत्ति के मोर्चे पर, बैंक की गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) सितंबर, 2021 तक कुल ऋण पर 4.11 प्रतिशत हो गयीं, जबकि एक साल पहले यह 3.04 प्रतिशत थीं। कुल मिलाकर सकल एनपीए 586.83 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल समान तिमाही में 387.42 करोड़ रुपये था। शुद्ध एनपीए भी पिछले साल की समान तिमाही के 1.30 प्रतिशत (163.52 करोड़ रुपये) की तुलना में बढ़कर 2.63 प्रतिशत (370 करोड़ रुपये) हो गया।

सेंसेक्स 145 अंक चढ़ा, निफ्टी 18,125 अंक के ऊपर हुआ बंद

(एजेंसी)।

बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 145 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई में तेजी से बाजार लाभ में रहा। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 145.43 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,967.05 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 10.50 अंक यानी 0.06 प्रतिशत मजबूत होकर 18,125.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब 11 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में आईसीआईसीआई बैंक रहा। इसके अलावा एक्सिस बैंक, डॉ. रेड्डीज, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टेक महिंद्रा प्रमुख रूप से लाभ में रहें। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, बजाज ऑटो, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स और मारुति शामिल हैं। आनंद राठी के इक्विटी शोध (बुनियादी) प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि एशियाई बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच घरेलू बाजार शुरू में गिरावट के साथ खुले। इसका कारण वैश्विक निवेशकों के बीच मुद्रास्फीति और आपूर्ति संबंधी बाधाओं को लेकर चिंता है। यूरो क्षेत्र में सितंबर महीने में मुद्रास्फीति कई साल के उच्चस्तर पर पहुंच गयी और इससे उम्मीद के विपरीत जल्दी ही नीतिगत दरों में वृद्धि को लेकर चिंता है। उन्होंने कहा, ''दोपहर के कारोबार में संस्थागत और अन्य निवेशकों की लिवाली बढ़ने से बाजार में तेजी लौटी।%%

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.73 प्रतिशत बढ़कर 85.26 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना पर हितधारकों की चिंताओं को दूर करेगा ईजीएसः मंत्री

नयी दिल्ली केंद्रीय इस्पात मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह ने सोमवार को कहा कि विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना के तहत निवेश करने की इच्छुक कंपनियों की चिंताओं के समाधान के लिए सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह (ईजीएस) की बैठक बुलाई जाएगी। सिंह ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा यहां 'विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उक्त बात कही। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने वाली कंपनियों से नवंबर के दूसरे सप्ताह से आवेदन मांगे जाएंगे। सिंह ने बैठक के लिए कोई समयसीमा बताए बिना कहा कि अगर किसी हितधारक की कोई चिंता है, तो इसे ईजीएस की बैठक में उठाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 22 जुलाई को भारत में विशिष्ट इस्पात के उत्पादन को बढ़ावा देने, लगभग 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश को आकर्षित करने और नए 5.25 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए 6,322 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। सरकार ने पिछले सप्ताह विशेष इस्पात के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दिशानिर्देशों को अधिसूचित किया था।

एयर इंडिया के 18,000 करोड़ रुपये के बिक्री सौदे के लिए सरकार का टाटा संस से शेयर खरीद करार

नयी दिल्ली (एजेंसी)

सरकार ने टाटा संस के साथ राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया की बिक्री के लिए सोमवार को 18,000 करोड़ रुपये के एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की इकाई टैलेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2,700 करोड़ रुपये का नकद भुगतान करने और एयरलाइन के कुल कर्ज के 15,300 करोड़ रुपये से अधिक की जिम्मेदारी लेने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। उसके बाद 11 अक्टूबर को टाटा समूह को एक आशय पत्र (एलओआई) जारी किया गया था जिसमें पुष्टि की गयी थी कि सरकार एयरलाइन में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की इच्छा रखती है। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने ट्विटर पर लिखा, ÷एयर इंडिया के रणनीतिक विनिवेश के लिए सरकार ने आज टाटा संस के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। सौदे में एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया की ग्राउंड हैंडलिंग इकाई एआईएसएटीएस की बिक्री भी शामिल है। टाटा ने सस्ती सेवाएं देने वाली एयरलाइन स्पाइसजेट के प्रवर्तक अजय सिंह के नेतृत्व वाले गठजोड़ द्वारा 15,100 करोड़ रुपये की पेशकश और घाटे में चल रही सरकारी एयरलाइन में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए सरकार द्वारा निर्धारित 12,906 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य से ऊपर बोली लगाकर संकटग्रस्त एयरलाइन के अधिग्रहण की रेस जीत ली थी।

पुराने वाहन बेचने के लिए एनओसी की जरूरत को लेकर सीएससी, एनसीआरबी में करार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पुराने वाहनों की बिक्री-खरीद के लिए अनिवार्य अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) अब पूरे भारत में चार लाख से अधिक सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) से उपलब्ध होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के तहत एक एसपीवी सीएससी ने इस सेवा को पूरे भारत में उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ करार किया है। यह सेवा नागरिकों को निकटतम सीएससी से एनओसी प्राप्त करने में मदद करेगी। एनसीआरबी ने राज्य सरकारों से डिजिटल सेवा पोर्टल के साथ सीसीटीएनएस सेवाओं को एकीकृत करने का अनुरोध किया है, ताकि इन्हें सीएससी के नेटवर्क के माध्यम से नागरिकों के लिए वितरित और सुलभ बनाया जा सके। सीएससी उनके द्वारा संचालित समुदाय में इन सेवाओं के बारे में जागरूकता भी पैदा करेगा। सीएससी एसपीवी के प्रबंध निदेशक डॉ. दिनेश त्यागी ने कहा, व्यक्तिगत और व्यावसायिक उपयोग के लिए पूर्व स्वामित्व वाले वाहनों के लिए एक बढ़ता हुआ बाजार है। गतिशीलता वाणिज्यिक और उद्यमशीलता गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सीएससी का हमारा व्यापक नेटवर्क इस मांग का लाभ उठा सकता है और वाहन मालिकों को एनओसी प्रदान कर सकता है। नागरिक, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, इस साझेदारी से लाभान्वित हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें एनसीआरबी कार्यालयों का दौरा करने के लिए लंबी दूरी की यात्रा नहीं करनी पड़ती है और वे अपने निकटतम सीएससी से एनओसी प्राप्त कर सकते हैं। नागरिकों को इस सेवा का विस्तार करने के लिए, सीएससी डिजिटल सेवा पोर्टल अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) से संबंधित होगा। सीएससी वीएलई इस सेवा की वाहन मिलान सुविधा का उपयोग वाहन विवरण खोजने और पंजीकरण संख्या, चेसिस नंबर और इंजन नंबर प्रदान करके एनओसी उत्पन्न करने के लिए करेंगे। वाहन एनओसी नागरिकों को पुरानी खरीद के लिए जाने से पहले वाहन की स्थिति का पता लगाने की अनुमति देगा।

एनओसी प्रमाणपत्र से पता चलता है कि बिक्री के लिए वाहन किसी कारण से पुलिस रिकॉर्ड में है या नहीं। स्वामित्व के हस्तांतरण से पहले आरटीओ द्वारा अनिवार्य रूप से एक एनओसी भी आवश्यक है। इस साझेदारी के साथ, नागरिक अपने निकटतम सीएससी पर जा सकते हैं और आरटीओ द्वारा आवश्यक एनओसी को आसानी से जनरेट और डाउनलोड कर सकते हैं।

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर तेजी से घट रहे हैं युवा यूजर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फेसबुक और इंस्टाग्राम अपने युवा यूजर्स को खतरनाक दर से खो रहे हैं क्योंकि सहस्राब्दी और जनरेशन जेड अब टिक्टॉक, स्नैपचैट, फोर्टनाइट, रोबलॉक्स और अधिक से अधिक इमर्सिव सोशल गेम प्लेटफॉर्म का विकल्प चुन रहे हैं। मीडिया ने सोमवार को इसकी सूचना दी।

द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में फेसबुक पर किशोर उपयोगकर्ताओं के अगले दो वर्षों में 45 प्रतिशत कम होने का अनुमान है, जिससे कंपनी के सबसे आकर्षक विज्ञापन बाजार में दैनिक उपयोगकर्ताओं में कुल गिरावट आई है। रिपोर्ट में आंतरिक फेसबुक दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है, 20 से 30 वर्ष की आयु के बीच के युवा वयस्कों में उसी समय सीमा के दौरान 4 प्रतिशत की गिरावट की उम्मीद थी। अमेरिका, फ्रांस, यूके, जापान और ऑस्ट्रेलिया में पूर्ण संतृप्ति के साथ इंस्टाग्राम युवा लोगों के साथ बेहतर कर रहा था। फेसबुक के शोधकर्ताओं के अनुसार, किशोरों द्वारा पोस्ट करना 2020 से 13 प्रतिशत कम हो गया था और इससे संबंधित प्रवृत्ति बनी हुई है। शोधकर्ता ने एक आंतरिक ज्ञापन में लिखा,उम्र बढ़ने का मुद्दा वास्तविक है। बढ़ती उम्र के साथ, किशोर फेसबुक को कम चुन रहे हैं। हौगेन ने दावा किया है कि जुड़ाव के आधार पर विज्ञापन बेचने का फेसबुक का व्यवसाय उपयोगकर्ताओं को हर कीमत पर सेवा पर रखने के लिए प्रेरित करता है, भले ही वह जानता हो कि जिस सामग्री से वे जुड़ रहे हैं, वह हानिकारक हैं। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के सामने भी गवाही दी कि इंस्टाग्राम का किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। रिपोर्ट में जोर देकर कहा, हालांकि यह प्रसिद्ध रूप से कॉलेज के छात्रों के लिए एक नेटवर्किं ग साइट के रूप में शुरू हुआ। कर्मचारियों ने भविष्यवाणी की है कि ऐप के दर्शकों की उम्र बढ़ने- अब लगभग 2 बिलियन दैनिक उपयोगकर्ता - में युवा लोगों को और अलग-थलग करने, भविष्य की पीढ़ियों को काटने और एक सीमा लगाने की क्षमता है। फेसबुक के प्रवक्ता जो ओसबोर्न ने एक बयान में कहा, हमारे उत्पाद अभी भी किशोरों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं, लेकिन हमें स्नैपचैट और टिकटॉक की पसंद से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। सभी सोशल मीडिया कंपनियां चाहती हैं कि किशोर अपनी सेवाओं का उपयोग करें। हम अलग नहीं हैं। आंतरिक दस्तावेजों के अनुसार, बढ़ते संकट को दूर करने के लिए, फेसबुक और इंस्टाग्राम के कर्मचारी किशोरों और युवा वयस्कों के लिए तैयार उत्पादों की योजना बना रहे हैं। हालांकि, वे

मानते हैं कि यह दोनों प्लेटफार्मों पर एक कठिन लड़ाई होने जा रही है। फेसबुक जिसका उद्देश्य युवाओं को विशिष्ट व्यक्तित्वों के लिए समूहों में शामिल होने देना है ग्रुप्स प्लस पर काम कर रहा है, और उसका लक्ष्य सांस्कृतिक प्रासंगिकता बढ़ाने के तरीके के रूप में करीबी समुदायों को शामिल करना है। सोशल मीडिया दिग्गज कंपनी को एक नए नाम के साथ रीब्रांड करने की भी योजना बना रही है जो मेटावर्स पर केंद्रित है। उम्मीद है कि फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग 28 अक्टूबर को कंपनी के कनेक्ट कॉन्फ्रेंस में नई ब्रांडिंग की घोषणा करेंगे।

जेएसडब्ल्यू स्टील कश्मीर में स्थापित करेगी स्टील प्लांट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जेएसडब्ल्यू ने जम्मू कश्मीर में स्थानीय बाजार के लिए स्टील सैंडविच पैनल्स और स्टील डोर्स के उत्पादन के लिए विशेष लाइनों के साथ प्रति वर्ष 1,20,000 मीट्रिक टन क्षमता की अत्याधुनिक कलर कोटेड स्टील निर्माण सुविधा स्थापित करेगा। कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि यह देश की प्रगति में योगदान करने के लिए सज्जन जिंदल की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता और नेशन फर्स्ट की उनकी नीति के अनुरूप है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (डब्ल्यूएसए) के अध्यक्ष सज्जन जिंदल को भूमि आवंटन पत्र प्रस्तुत किए। यह सुविधा आईडीसी, लसीपोरा, पुलवामा में लगभग 150 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएगी। जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष सज्जन जिंदल ने कहा कि यह सुविधा स्थानीय व्यवसायों और समाज को सार्थक तरीके से अत्यधिक लाभ प्रदान करेगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। यह जम्मू-कश्मीर के आर्थिक कायाकल्प को बढ़ावा देने के लिए जेएसडब्ल्यू समूह का एक विनम्र योगदान है। जेएसडब्ल्यू स्टील भारत की अग्रणी एकीकृत स्टील कंपनी है जिसकी घरेलू स्तर पर 27 मिलियन टन की क्षमता है और स्टील उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की आपूर्ति करती है, जिसमें हॉट रोल्ड, कोल्ड रोल्ड, बेयर और प्री-पेंटेड गैल्वेनाइज्ड एंड गैलवेल्यूम, टीएमटी, वायर रॉड्स और स्पेशल स्टील शामिल

हैं। जेएसडब्ल्यू स्टील वर्ष 1995 से लगातार स्टील उत्पादों के निर्यात में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है और दुनिया के 100 से अधिक देशों में निर्यात करता है। 2025 तक, जेएसडब्ल्यू स्टील का लक्ष्य सालाना 40 मिलियन टन स्टील का उत्पादन करना है।

हीरो इलेक्ट्रिक भारत में करेगी अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार

(एजेंसी)।

हीरो इलेक्ट्रिक ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने की घोषणा की है। इसके तहत कंपनी वित्त वर्ष के अंत तक देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के बीच अपने 'टचपॉइंट' की संख्या 1,000 करेगी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश के 500 से अधिक शहरों में कंपनी के बिक्री केंद्रों का आंकड़ा 700 को पार कर गया है। कंपनी ने कहा है कि वह देशभर में 300 नए बिक्री केन्द्र खोलेगी। हीरो इलेक्ट्रिक ने एक बयान में कहा, ''यह कदम केंद्र और राज्य सरकारों की उपभोक्ता-अनुकूल नीतियों, बेहतर बुनियादी ढांचे और जागरूकता में वृद्धि के अनुकूल है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए तेजी से अपना विस्तार कर रहे हैं।

इस क्षेत्र के अगले पांच साल में 20 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।' योजना पर टिप्पणी करते हुए, हीरो इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सोहिंदर गिल ने कहा, ''नेटवर्क विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहन खंड के लिए सकारात्मक वृद्धि का संकेत देता है, जिसके चलते हीरो इलेक्ट्रिक के साथ प्रदूषणमुक्त परिवहन की ओर रुख करने को इच्छुक डीलरों की दिलचस्पी बढ़ गई है।'' हीरो इलेक्ट्रिक के पास एट्रिया, फ्लैश, ऑप्टिमा एचएक्स और एनवाईएक्स एचएक्स सहित इलेक्ट्रिक-स्कूटर मॉडलों की एक श्रृंखला है।

ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, सफायर फूड्स सहित सात कंपनियों को सेबी से आईपीओ के लिए मंजूरी

नयी दिल्ली (एजेंसी),

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, सफायर फूड्स इंडिया और आनंद राठी वेल्थ सहित सात कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा पॉलिसीबाजार और पैसाबाजार जैसी डिजिटल कंपनियों का संचालन करने वाली पीबी फिनटेक, पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कॉम्युनिकेशंस, जीव विज्ञान कंपनी टार्सन प्रोडक्ट्स और एचपी एडहेसिव्स को भी अपने आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिली है। सेबी ने सोमवार को बताया कि इन कंपनियों ने जुलाई और अगस्त के बीच उसके पास अपने मसौदा पत्र दाखिल किए थे। उन्हें 18-22 अक्टूबर के दौरान नियामक से मंजूरी मिली। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के 997.78 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम में 800 करोड़ रुपये के नये इक्विटी शेयरों की बिक्री और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 197.78 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। केएफसी और पिज्जा हट जैसे लोकप्रिय फूड आउटलेट का संचालन करने वाली सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17,569,941 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। मुंबई के वित्तीय सेवा समूह आनंद राठी की कंपनी आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड का आईपीओ भी पूरी तरह से प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1.2 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश होगा। मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक, पेटीएम ने नये इक्विटी शेयरों के जरिये 8,300 करोड़ रुपये और ओएफएस के जरिये 8,300 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनायी है। पीबी फिनटेक के 6,017.50 करोड़ रुपये के आईपीओ में 3,750 करोड़ रुपये के नये इक्विटी शेयरों की बिक्री और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,267.50 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल है। टार्सन प्रोडक्ट्स के आईपीओ में 150 करोड़ रुपये के नये इक्विटी शेयरों की बिक्री और प्रवर्तकों एवं एक निवेशक द्वारा 1.32 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। एचपी एडहेसिव्स के आईपीओ में 41.40 लाख नये इक्विटी शेयरों की बिक्री और प्रवर्तक अंजना हरेश मोटवानी द्वारा 4,57,200 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है।

इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सितंबर में नौ अरब डॉलर के पार ईईपीसी

कोलकाता (एजेंसी),

इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सितंबर, 2021 में नौ अरब डॉलर को पार कर गया जबकि चीन, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे शीर्ष 25 निर्यात गंतव्यों में से 22 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गयी। सितंबर महीने में कुल वस्तुओं के निर्यात में इंजीनियरिंग सामान की हिस्सेदारी 26.65 प्रतिशत रही। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के चेयरमैन महेश देसाई ने कहा कि देश का इंजीनियरिंग निर्यात संचयी रूप से अप्रैल-सितंबर, 2021 में बढ़कर 52.3 अरब डॉलर हो गया जो पिछले साल इसी अवधि में 32.4 अरब डॉलर था।देसाई ने कहा, ''सालाना आधार पर इसके 2021-22 में 105 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।''

जिन देशों में निर्यात में सकारात्मक वृद्धि हुई है, उनमें जर्मनी, तुर्की, इटली, ब्रिटेन, मेक्सिको, वियतनाम और सिंगापुर शामिल हैं। देसाई ने छह देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में तेजी लाने के लिये उठाये गये कदमों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को पूर्व में किये गये ऐसे समझौतों से सबक लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''पूर्व में किये गये मुक्त व्यापार समझौतों से दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों से लौह और अलौह क्षेत्रों में कुछ उत्पादों के आयात में वृद्धि हुई है। अतः नये एफटीए पर हस्ताक्षर करते समय सतर्क रुख अपनाने की जरूरत है।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान से मिली शर्मनाक हार के बाद कप्तान विराट कोहली ने दिया बड़ा बयान

दुबई। (एजेंसी)।

भारतीय टीम का विश्व कप में पाकिस्तान पर पिछले लंबे समय से चला आ रहा विजय अभियान थम जाने से कप्तान विराट कोहली निराश हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह टी-20 विश्व कप की शुरुआत है और अभी खतरे की घंटे बजाने की जरूरत नहीं है।

टीम इंडिया को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से सुपर 12 के ग्रुप दो मैच में रविवार को यहां 10 विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत पहले बल्लेबाजी का न्योता पाने के बाद 7 विकेट पर 151 रन ही बना पाया। पाकिस्तान ने कप्तान बाबर आजम (नाबाद 68) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 79) की अटूट शतकीय साझेदारी से आसान जीत दर्ज की।

मैच के बाद कोहली ने कहा कि हम जिस तरह से अपनी रणनीति पर अमल करना चाहते थे वैसा नहीं कर पाए। उन्होंने हर विभाग में हमसे बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर हमारी टीम ऐसी नहीं है जो (एक हार से) खतरे की घंटी बजा दे। यह टूर्नामेंट की शुरुआत है अंत नहीं।' भारत ने पहली 13 गेंदों के अंदर दोनों सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और केएल राहुल के विकेट गंवा दिए थे और कोहली ने कहा कि इसके बाद वापसी करना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि जब आप शुरू में तीन विकेट गंवा देते हो तो वापसी करना मुश्किल होता है विशेषकर तब जबकि आपको पता हो कि ओस अपनी भूमिका निभाएगी। जब आपको पता हो कि परिस्थितियां बदल सकती हैं तब आपको 10-20 अतिरिक्त रन की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन पाकिस्तान ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनके खिलाड़ियों ने हर रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया और पूरी टीम को जीत का श्रेय जाता है।

उन्होंने कहा कि हमने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। शाहीन (शाह अफरीदी) ने जिस तरह से शुरुआत की उससे हमारा मनोबल बढ़ा। बीच के ओवरों ने स्पिनरों ने स्थिति अच्छी तरह से संभाली और डेथ ओवरों में हमारे गेंदबाजों ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया। आजम ने कहा कि ओस के प्रभाव के बाद गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी। हमने अच्छी तैयारी की थी और हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया। अभी टूर्नामेंट की शुरुआत है और हमें आगे के मैचों को भी गंभीरता से लेना होगा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी (31 गेंदों पर तीन विकेट) को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा कि

शुरू में विकेट हासिल करने से वे मैच पर पकड़ बनाने में सफल रहे।

अफरीदी ने कहा कि यह पहला अवसर है जबकि हमने भारत को हराया और हमें इस पर गर्व है। मुझे पता था कि अगर हम शुरू में विकेट हासिल करते हैं तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। मेरा प्रयास अधिक से अधिक स्विंग हासिल करना था। नई गेंद को खेलना मुश्किल था, इसलिए बाबर और रिजवान को श्रेय जाता है।

पाकिस्तान से हार के बाद कोहली से पूछा गया, क्या आप रोहित शर्मा को बाहर करोगे?

दुबई। (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली को उस समय अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ जब उनसे पूछा गया कि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में विफलता के बाद रोहित शर्मा को टीम से बाहर किया जा सकता है या नहीं। कोहली ने इस सुझाव पर नाराजगी में सिर हिलाया और फिर इसे 'अविश्वसनीय' करार दिया। कोहली पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इस हार के साथ भारत का विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ लगातार 12 जीत का क्रम भी टूट गया।

कोहली उस समय हैरान हो गए जब उनसे सवाल पूछा गया कि क्या फॉर्म के आधार पर इशान किशन सीमित ओवरों की टीम के उप कप्तान रोहित की जगह लेने के हकदार हैं। रोहित पाकिस्तान के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए थे। भारतीय कप्तान ने निराशा में अपना सिर हिलाते हुए कहा, ''यह काफी साहसिक सवाल है। आपको क्या लगता है, सर?'' उन्होंने कहा, ''मैं आपसे पूछ रहा हूं? क्या आप रोहित शर्मा को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर करेंगे। क्या आप रोहित शर्मा को बाहर करोगे? आपको पता है हमने जो पिछला मैच खेला था उसमे उसे क्या किया था, अविश्वसनीय।''

कोहली इंग्लैंड के खिलाफ पिछले टी20 मुकाबले में रोहित की 64 रन की तूफानी पारी के संदर्भ में कह रहे थे। भारतीय कप्तान ने कहा, ''अगर आप विवाद चाहते हैं तो कृपया करके मुझे पहले बता दीजिए जिससे कि मैं उसी के हिसाब से जवाब दूं।'' कोहली ने मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारत की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की है और रोहित उनकी जगह लेने के सबसे बड़े दावेदार हैं। उन्होंने 100 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और उनका स्ट्राइक रेट 138 से अधिक का है।

वीरेंद्र सहवाग ने कहा, शमी को आनलाइन निशाना बनाया जाना स्तब्ध करने वाला

दुबई। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सोमवार को भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का समर्थन किया जिन्हें विश्व कप इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ देश की क्रिकेट टीम की पहली हार के बाद

आनलाइन निशाना बनाया गया। भारत को रविवार को टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में 10 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस दौरान शमी भारत के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए और उन्होंने 3.5 ओवर में 43 रन लुटाए। सहवाग ने ट्वीट किया, ''मोहम्मद शमी को आनलाइन निशाना बनाया जाना स्तब्ध करने वाला है और हम उसके साथ हैं। वह चैंपियन है और जो भी भारत की कैप पहनता है उसके दिल में भारत किसी भी आनलाइन उपद्रवी से अधिक होता है। आपके साथ हूं शमी। अगले मैच में दिखा दो जलवा।'' शमी हाल के समय में भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं और पिछले पांच साल में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों ने रविवार के रात के उनके प्रदर्शन को उनके धर्म से जोड़ा जो लोगों को अच्छा नहीं लगा।

इस पूर्व तेज गेंदबाज ने भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के पद के लिये आवेदन किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत ए और अंडर 19 टीमों के साथ काफी कामयाब रहे पूर्व तेज गेंदबाज पारस म्हाम्ब्रे ने सीनियर टीम के गेंदबाजी कोच के पद के लिये सोमवार को आवेदन कर दिया। बीसीसीआई सूत्रों ने यह जानकारी दी। म्हाम्ब्रे करीब एक दशक से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से जुड़े हैं और राहुल द्रविड़ के करीबी माने जाते हैं। द्रविड़ भारतीय टीम के अगले मुख्य कोच हो सकते हैं। बोर्ड के एक सीनियर अधिकारी ने कहा ,'' पारस ने पद के लिये आज आवेदन कर दिया। आवेदन करने की आखिरी तारीख 26 अक्टूबर है।

पारस के पास काफी अनुभव है और पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट की एलीट कोचिंग व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं।'' बीसीसीआई का मानना है कि मौजूदा तेज गेंदबाजों मोहम्मद शमी, ईशांत शर्मा और उमेश यादव के जाने के बाद अगली जमात के भारतीय तेज गेंदबाजों में वे ही होंगे जो म्हाम्ब्रे के मार्गदर्शन में अंडर 19 या ए टीम

के लिये खेल चुके हैं। बीसीसीआई सूत्रों ने पहले संकेत दिया था कि द्रविड़ मुख्य कोच का पद संभालने के लिये तैयार हो गए हैं। रवि शास्त्री का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। म्हाम्ब्रे के आवेदन के मायने हैं कि उनकी कोर टीम के सदस्य भारतीय टीम के साथ काम करने में दिलचस्पी रखते हैं। म्हाम्ब्रे 1996 से 1998 के बीच भारत के लिये दो टेस्ट और तीन वनडे खेल चुके हैं।उन्होंने मुंबई के लिये 91 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर 284 विकेट लिये हैं। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल और बड़ौदा के कोच रह चुके हैं।

जिस गेंद पर गिरी राहुल की गिल्लियां वह थी नो बॉल! फैंस का गुस्सा थर्ड अंपायर पर फूटा

दुबई। भारत-पाकिस्तान में हमेशा ही कांटाजोड़ मुकाबला होता है। कल रविवार को भारत पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे मुकाबले में भारतीय पारी के दौरान अंपायर ने बड़ी गलती कर दी। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पाकिस्तान का यह फैसला एकदम ठीक रहा और टीम इंडिया के ओपनर रोहित शर्मा और केएल राहुल बेहद सस्ते में आउट हो गए। लेकिन क्रिकेट के दीवानों को निराशा तब हाथ लगती हैं, जब अंपायर ही मैदान में चूक कर देता है जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ता है। ऐसा ही रविवार के मैच में देखने को मिला।

दरअसल दुबई में भारत पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे मुकाबले में भारतीय पारी के दौरान अंपायर ने बड़ी गलती कर दी जिसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी बवाल मच रहा है। दरअसल टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पारी के तीसरे ओवर की पहली गेंद पर शाहीन अफरीदी के खिलाफ बोल्ड होकर पैवेलियन लौट गए। उन्होंने 8 गेंदों में महज 3 रन की पारी खेली। दरअसल जिस गेंद पर राहुल को अंपायर ने आउट करार दिया वो नोबॉल थी। इन दिनों तीसरे अंपायर को नोबॉल पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन वो भी बड़ी चूक कर बैठे और राहुल को पैवेलियन वापस लौट गए। इस विकेट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने लगी है। प्रशंसकों ने इसके बाद जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। यहां तक कि भारत की हार की जिम्मदारी भी इसे माना जा रहा है।

पाक के खिलाफ लचर बल्लेबाजी से लेकर धारहीन गेंदबाजी के लिए ट्रोल हुई टीम इंडिया

दुबई (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने अपने सलामी बल्लेबाजों कप्तान बाबर आजम (नाबाद 68) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 79) के शानदार अर्धशतकों तथा उनके बीच 152 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी की मदद से भारत को आईसीसी टी 20 विश्व कप में रविवार को एकतरफा अंदाज में 10 विकेट से हराकर भारत के खिलाफ विश्व कप में पांच मैच लगातार हारने के गतिरोध को तोड़ दिया।

भारत ने कप्तान विराट कोहली की 49 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के से सजी 57 रन की जबरदस्त पारी से 20 ओवर में सात विकेट पर 151 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन पाकिस्तान ने 17.5 ओवर में बिना कोई विकेट खोये 152 रन बनाकर आसान जीत हासिल की।

भारत ने इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ टी 20 विश्व कप में अपने सभी पांच मुकाबले जीते थे लेकिन भारतीय गेंदबाज इस मुकाबले में एक भी पाकिस्तानी विकेट नहीं चटका पाए। जिस मैच को महामुकाबले की संज्ञा दी जा रही थी वह पूरी तरह एकतरफा साबित हुआ।इस कारण टीम इंडिया कोफैंस द्वारा लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत खराब रही। पहले ओवर की चौथी गेंद पर रोहित शर्मा को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन आफरीदी ने पगबाधा कर दिया। आफरीदी ने अपने दूसरे और पारी के तीसरे ओवर की पहली बेहतरीन गेंद पर लोकेश राहुल को बोल्ड कर दिया। राहुल आठ गेंदों में तीन रन बनाकर आफरीदी की बेहतरीन इनस्विंगर पर बोल्ड हुए।

बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम में वापसी

लंदन (एजेंसी)।

अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज को लेकर इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर सामने आई है। इंग्लैंड के ऑल राउंडर बेन स्टोक्स की टीम में वासपी हो गई है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की मेडिकल टीम ने पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है कि स्टोक्स फिर से ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं। इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स ने कहा, टीम के लिए बेन स्टोक्स ने समय-समय पर अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे टीम को काफी फायदा हुआ है। वह इंग्लैंड टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं और एशेज सीरीज के लिए उनकी टीम में उपस्थिति अन्य सभी सदस्यों के लिए बहुत अच्छी खबर है।

पाकिस्तान से करारी हार बाद फंसा भारत का सेमीफ़ाइनल रास्ता

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में अपने पहले ही मैच में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा. विश्व कप में पाकिस्तान के हाथों मिली पहली और वह भी 10 विकेट की करारी हार से कप्तान विराट कोहली के खाते में कई अनचाहे रिकॉर्ड भी जुड़ गए हैं. इसके साथ ही टीम इंडिया का सेमीफाइनल तक का सफर भी चुनौती भरा हो गया है. हालांकि मजबूत बैटिंग लाइनअप के साथ टीम इंडिया किसी भी चुनौती से पार पाने में सक्षम है, लेकिन क्रिकेट को यूं ही अनिश्चितताओं से भरा खेल नहीं कहा जाता. पाकिस्तान से मिली हार के बाद भारत अपने ग्रुप-बी में 0.973 की निगेटिव रनरेट के साथ सबसे निचली पायदान पर आ गया है. इस ग्रुप की शेष टीमों का टी-20 वर्ल्ड कप में अभी तक सफर शुरू भी नहीं हुआ है.

एक और हार पहुंचा देगी बाहर होने की कगार पर

ग्रुप-बी में भारत और पाकिस्तान अपना-अपना पहला मैच रविवार को खेल चुके हैं. इन दो देशों के अलावा अफगानिस्तान, न्यूज़ीलैंड. स्कॉटलैंड और नामीबिया की टीमें हैं. नियमों के मुताबिक इन आधा दर्जन टीमों में से दो टॉप टीमों को सेमीफ़ाइनल में प्रवेश मिलेगा. यानी सेमीफ़ाइनल का रास्ता तय करने के लिए ग्रुप की हरेक टीम को कम से कम चार-पांच मैच तो जीतने ही होंगे. भारत अपना पहला ही मैच शर्मनाक तरीके से हार चुका है. ऐसे में एक और हार उसे लगभग बाहर होने की कगार पर पहुंचा देगी. मैचों में जीत के अलावा टीम के नेट रनरेट पर भी पेंच अटक सकता है.

अभी ग्रुप-बी में चार मजबूत टीमों से मुकाबला बाकी

ऐसे में भारत को अब अपना मैच अगले रविवार यानी 31 अक्टूबर को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेलना है. इसके बाद 3 नवंबर को टीम इंडिया की टक्कर अफगानिस्तान से होगी. फिर पहले राउंड से क्वालिफाई करने वाली दो टीमें स्कॉटलैंड और नामीबिया से भारत की टक्कर होगी. टीम इंडिया को इन दोनों टीमों के खिलाफ आसान जीत मिल सकती है, लेकिन बाकी टीमों के खिलाफ जीत की पुख्ता गांरटी नहीं दी जा सकती है. इस लिहाज से देखें तो टीम इंडिया को न सिर्फ अपने बाकी बचे सारे मैच बड़े अंतर से जीतने ही होंगे. इस ग्रुप में अफगानिस्तान समेत कुल 4 मजबूत टीमें हैं. ऐसे में दो बड़ी टीमों को बाहर का रास्ता देखना पड़ेगा.

बड़े अंतर और अच्छे रनरेट से जीतने होंगे मैच

फिलहाल ग्रुप-बी में भारत को 10 विकेट से हराकर पाकिस्तान 2 अंको के साथ टॉप पर है. 10 विकेट से करारी हार के बाद टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ सकती है. फिलहाल भारत का नेट रनरेट माइनस में है. ऐसे में अपने आगे के मैचों में टीम इंडिया को न सिर्फ रनरेट सुधारना होगा, बल्कि बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी. हालांकि अगर पीछे नजर डालें तो 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप में भी अपने पहले मैच में ही टीम इंडिया को न्यूजीलैंड से करारी शिकस्त मिली थी. इसके बावजूद टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच गई थी. इस लिहाज से कोहली एंट कंपनी को इस बार भी यही करिश्मा दोहराना होगा, तभी वर्ल्ड कप हाथ लगने की उम्मीदें जिंदा रहेंगी.

एमएस धोनी की भविष्यवाणी साबित हुई सही, पाकिस्तान से हार को लेकर कही थी ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने पहली बार टीम इंडिया को बुरी तरह से हरा दिया. वन डे विश्व कप हो या फिर टी20 ये पहली बार है, जब पाकिस्तानी टीम भारतीय टीम पर भारी पड़ी है. टी20 विश्व कप 2021 के पहले ही मैच में टीम इंडिया को बुरी तरह से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. हालांकि सभी को इस बात की उम्मीद थी कि टीम इंडिया अपने पुराने रिकॉर्ड को जारी रखेगी और पाकिस्तान को हरा देगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका. विराट कोहली भारत के ऐसे पहले कप्तान बन गए हैं, जो पाकिस्तान से विश्व कप में हारे हैं. इसको लेकर विराट कोहली से लेकर पूरी टीम इंडिया लगातार आलोचनाओं के शिकार हो रही है. हालांकि इस बीच एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है, जिसमें टीम इंडिया के पूर्व कप्?तान और अब मेंटॉर एमएस धोनी का वो बयान वायरल हो रहा है, जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि कभी न कभी टीम इंडिया को भारत से हार मिलेगी. अब अब जाकर उनकी बात सही साबित हो गई है.

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया पाकिस्तान से हार गई. विश्व कप के इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच इससे पहले 12 मुकाबले हुए थे और सभी में टीम इंडिया ने बाजी मारी थी. उम्मीद थी कि इस बार भी ऐसा ही कुछ होगा और आंकड़ा 13-0 हो जाएगा. लेकिन टीम इंडिया ने बहुत खराब प्रदर्शन किया और भारत को करारी हार मिली. इसके बाद से ही एमएस धोनी का एक वीडियो वायरल होने लगा. ये वीडियो तब का है, जब एमएस धोनी खुद टीम इंडिया के कप्तान हुआ करते थे. ये वीडियो साल 2016 का है और इसे कुल पांच साल हो गए हैं. इसमें एमएस धोनी मीडिया से बातचीत के दौरान कह रहे हैं कि अगर आपको इस बात पर गर्व हो रहा है कि हम विश्व कप में पाकिस्तान से 11-0 से आगे हैं तो ये भी सच बात है कि आज न सही कल जरूर हारेंगे. चाहें 10 साल बाद हारें या फिर 20 साल बाद, हो सकता है कि हम 50 बाद ही क्यों न हारें, लेकिन हम हारेंगे जरूर. हमेशा ऐसा नहीं हो सकता है कि हम लगातार जीतते रहें और पाकिस्तान लगातार हारता रहे. इस मैच के बाद साल 2019 के विश्व कप में फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हुआ, उसमें भी टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर विजयश्री हासिल की, लेकिन आखिरकार 24 अक्टूबर 2021 दिन रविवार को वो वक्?त आ ही गया, जिसके बारे में एमएस धोनी ने पहले ही ऐलान कर दिया था. हालांकि खुद धोनी को भी पता नहीं होगा कि उनकी भविष्यवाणी इतनी जल्दी सही साबित हो जाएगी.

महेंद्र सिंह धोनी की बात करें तो उन्होंने 2020 में 15 अगस्त के दिन इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था, लेकिन वे आईपीएल लगातार खेल रहे हैं. जब

टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया तो चर्चा आम हो गई कि ये पहला टी20 विश्व कप होगा, जब एमएस धोनी टीम इंडिया के साथ नहीं होंगे, लेकिन कुछ ही दिन बाद बीसीसीआई ने ऐलान किया कि एमएस धोनी टीम इंडिया के साथ बतौर मेंटॉर इस विश्व कप में जुड़ेंगे. धोनी का बतौर मेंटॉर ये पहला ही मैच था और इसी में भारतीय टीम हार गई. हालांकि ये पहला ही मैच था, भारतीय टीम अभी भी सेमीफाइनल और उसके बाद फाइनल की रेस में बनी हुई है. देखना होगा कि पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम किस तरह से वापसी करती है और कैसे वापसी करेगी. टीम इंडिया का अब अगला मुकाबला 31 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से होगा, जिसने 2019 के वन डे विश्व कप के सेमीफाइनल में टीम इंडिया को हराकर बाहर कर दिया था.

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं .

सवाल पूछने दें - रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें - हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं - घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद - पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे - बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी - इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें - ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।

सार समाचार

सूडान में सरकारी अधिकारियों को हिरासत में लिया गया, तख्तापलट की आशंका

काहिरा (मिस्र)। सूडान के अधिकारियों ने कहा है कि सैन्य बलों ने सोमवार को कम से कम पांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को हिरासत में ले लिया, जबकि सूडानीज प्रोफेशनल्स एसोसिएशन पार्टी ने जनता से संभावित तख्तापलट के विरोध में सड़क पर उतरने का आह्वान किया है। सूडान में लोकतंत्र समर्थक मुख्य दल सूडानीज प्रोफेशनल्स एसोसिएशन ने कहा है कि देश में इंटरनेट और फोन के सिग्नल काम नहीं कर रहे हैं। दो अधिकारियों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी ऐसे वक्त हुई है जब दो सप्ताह पहले ही सूडान के आम नागरिकों और सैन्य नेताओं के बीच तनाव बढ़ गया था। सितंबर में तख्तापलट की नाकाम कोशिश हुई और अत्यंत रूढ़िवादी इस्लाम समर्थकों को इससे बल मिला जो निरंकुश पूर्व शासक उमर अल-बशीर को व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से हटाने वालों के खिलाफ सैन्य सरकार चाहते हैं। हाल के दिनों में दोनों खेमे सड़कों पर खूब विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

ताइवान में 6.5 तीव्रता का भूकंप आया,एक महिला घायले

ताइपे। ताइवान की राजधानी ताइपे में रविवार को 6.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे गिरी चट्टानों की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, अबतक किसी की मौत की खबर नहीं है। केंद्रीय मौसम ब्यूरो के अनुसार भूकंप दोपहर एक बजकर 11 मिनट (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह पांच बजकर 11 मिनट) पर आया और इसका केंद्र उत्तर-पूर्वी तट के पास ताइपे से करीब 35 किलोमीटर (22 मील) दूर यिलान शहर के पास था। ब्यूरो ने बताया कि भूकंप की पहली घटना के कुछ सेकंड बाद 5.4 तीव्रता का भूकंप का एक और झटका आया। ताइपे मेट्रो प्रणाली ने अस्थायी रूप से सेवा निलंबित कर दी है। सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण यिलान के हुआलियन काउन्टी स्थित तारोको पार्क में चट्टान गिरने से एक महिला घायल हो गई। चट्टान गिरने से एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

टोक्यो और आसपास के प्रान्त में भोजनालयों पर से हटाए गए प्रतिबंध

टोक्यो। टोक्यो और आसपास के तीन प्रांतों कनागावा, सैतामा और चिबा साथ ही पूरे जापान में संक्रमण में जारी गिरावट के बाद भोजनालयों पर से कोविड प्रतिबंध हटा दिया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी और ओसाका में लगे प्रतिबंध को 11 महीनों में हटा लिया गया था। टोक्यो ने रविवार को 19 दैनिक संक्रमणों की पुष्टि की, जो 17 जून, 2020 के बाद सबसे कम है। टोक्यो में, आवश्यक कोविड उपायों के रूप में प्रमाणित लगभग 102,000 भोजनालयों को रात 8 बजे तक ही शराब परोसना की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, लगभग 18,000 अप्रमाणित भोजन प्रतिष्ठानों को पुराने प्रतिबंधों का पालन करना होगा। इसके अलावा, सभी भोजनालयों से समूह के आकार को प्रति टेबल चार लोगों तक सीमित करना होगा, और बड़े समूहों के लिए टीकाकरण के प्रमाण की आवश्यकता होगी। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन सरकार ने कहा कि वह नवंबर के अंत तक कोविड-विरोधी उपायों को सुदृढ़ करेगी, जिससे संक्रमण को रोकने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा सके।

जी20 शिखर सम्मेलन में मिल सकते हैं मून, बाइडेन

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन और अमेरिकी के राष्ट्रपति जो बाइडेन इटली में जी20 शिखर सम्मेलन या ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मून और बाइडेन अगले सप्ताह जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले है, साथ ही 1 और 2 नवंबर को सीओपी 26 जलवायु वार्ता में भाग लेंगे, जब विश्व के नेता ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए पेरिस समझौते के बाद उपलब्धियों का आकलन करेंगे। अधिकारी ने कहा, हालांकि कोई समय सीमा तय नहीं की गई है, यह औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता के बजाय एक तरफ बैठक हो सकता है। जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने से पहले मून शुक्रवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मुलाकात करेंगे और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और महामारी को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। अधिकारी ने कहा कि मून और पोप दोनों कोरिया के बीच शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

स्वीडन: कोरोनावायरस के कारण 3 लाख लोगों में सूंघने की क्षमता प्रभावित

स्टॉकहोम, 25 अक्टूबर (आईएएनएस)। स्वीडन में 300,000 लोगों में कोरोनावायरस के कारण सूंघने की क्षमता प्रभावित हुई है। इसकी जानकारी देश की राष्ट्रीय टीटी न्यूज एजेंसी ने दी। रविवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, देश में इस स्थिति का इलाज करने वाले क्लीनिकों के बाहर अभी भी लंबी कतारें लगी हुई हैं। समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि लगभग 1 करोड़ निवासियों के साथ, स्वीडन में केवल दो ऐसे क्लीनिक हैं, जिनमें से सबसे नया सितंबर में राजधानी शहर स्टॉकहोम के पास हडिंगे के करोलिंस्का विश्वविद्यालय अस्पताल में खोला गया। स्वीडिश पब्लिक हेल्थ एजेंसी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल की शुरूआत में महामारी शुरू होने के बाद से 1,165,996 कोरोनावायरस मामलों की पुष्टि की गई थी। कोरोनावायरस से मौतों की कुल संख्या 14,956 हो गई है। देश में नए मामलों की संख्या में वृद्धि देखी गई है क्योंकि 30 सितंबर को सार्वजनिक स्थानों और रेस्तरां में सीमित संख्या में प्रतिभागियों को फेस मास्क पहनने की सलाह दी गई। अगर संभव हो तो घर से काम करने की सलाह के साथ प्रतिबंध हटा दिया गया था, साथ ही वर्तमान में प्रतिबंधों को कड़ा करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, परीक्षण के बारे में नियम अभी भी लागू हैं, हालांकि 1 नवंबर को इसमें ढील दी जाएगी और जिन्हें टीका नहीं लगाया गया है, उन्हें पहले की तरह ही निवारक उपाय करने की सलाह दी जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का मिशन माली पहुंचा, फरवरी में चुनाव कराने का किया आग्रह

बमाको। (एजेंसी)।
माली में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए सप्ताहांत में देश की यात्रा पर पहुंचे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक मिशन ने देश के अधिकारियों से पिछले साल तख्तापलट के बाद पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय ब्लॉक के साथ हुए समझौतों को पूरा करने के वास्ते फरवरी में पूर्व निर्धारित चुनाव कराने का आग्रह किया है।

संयुक्त राष्ट्र में केन्या के राजदूत मार्टिन किमानी के नेतृत्व में इस मिशन ने नागरिक समाज संगठनों, शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले समूहों, माली के प्रधानमंत्री और सत्ता हस्तांतरण के दौरान देश के राष्ट्रपति कर्नल असिमी गोइता से सप्ताहांत की यात्रा के दौरान मुलाकात की। किमानी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं सुधार (राजनीतिक और संस्थागत दोनों) की उस आकांक्षा को देखकर अभिभूत हूं, जो माली के अधिकतर नागरिक चाहते हैं। हम अब सत्ता हस्तांरतण के दौर के समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं, जिसके बाद चुनाव होगा।'' हालांकि, माली के अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मिशन के साथ बैठक के बाद कहा कि वे चुनाव कराने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए दिसंबर में माली के कई समूहों के साथ परामर्श करेंगे। मिशन का हिस्सा रहे, संयुक्त राष्ट्र में नाइजीरिया के राजदूत अब्दोयू अबारी ने कहा, ''चुनाव के संबंध में माली के अधिकारियों ने इन बैठकों के बारे में हमसे बात की है। ये बैठकें दिसंबर में होंगी। हमने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सत्ता हस्तांतरण में देरी ना की जाए और माली के नागरिकों को अपना नेता चुनने का मौका दें।''

अबारी ने कहा कि गोइता ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि '' सत्ता हस्तांतरण से जुड़े अधिकारी सत्ता में बने रहने के लिए यहां नहीं हैं और सत्ता हस्तांतरण को लेकर अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कोई भी कार्रवाई माली के नागरिकों के हित में होगी।'' गोइता ने अगस्त 2020 में माली के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राष्ट्रपति इब्राहिम बाउबकर कीता को बेदखल कर सत्ता को अपने हाथ में ले लिया था। गोइता ने राष्ट्रपति के तौर पर इस साल जून में शपथ ली थी और उन्होंने फरवरी 2022 में चुनाव कराने का संकल्प भी लिया था।

पाकिस्तान की जीत पर गृहमंत्री शेख रशीद का बेतुका बयान, कहा- टीम के साथ शामिल थे भारत के मुसलमानों के जज्बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।
24 अक्टूबर 2021 का दिन पाकिस्तान को हमेशा याद रहने वाला है क्योंकि पहली बार पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जीत दर्ज की। बता दें कि 29 साल में यह पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात दी। टी-20 विश्वकप में सुपर 12 के पहले मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर फिल्डिंग चुनी और भारतीय टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 151 रन बनाए। इसके जवाब में पाक के बाबर आजम और रिजवान ने अपनी जोरदार बल्लेबाजी के बदौलत बिना कोई विकेट गंवाए एकतरफा जीत हासिल की।

इस ऐतिहासिक जीत पर पाकिस्तान के मंत्री का बेतुका बयान

पाकिस्तान की इस एतिहासिक जीत पर पाक गृह मंत्री शेख रशीद ने एक वीडियो जारी किया जिसमें वह पाक क्रिकेट टीम को जीत की बधाई दे रहे है। इस वीडियो में पाक मंत्री ने एक बेतुका बयान दिया जिसमें वह कह रहे है कि, इस जीत में भारत के मुसलमानों के जज्बात शामिल थे और इसी कारण टीम की शानदार जीत हुई है। एक मिनट 11 सेकंड के इस वीडियो में शेख राशिद ने कहा कि, 'मैं पाकिस्तान की जीत पर पूरे कौंम को मुबारकबाद देता हूं। हमारी टीम ने जिस तरह से हिम्मत दिखाई, बहादुरी से, दबदबे से भारत को शिकस्त दी है, उसे मैं सलाम करता हूं। मुझे अफसोस है कि यह पहला भारत-पाकिस्तान मैच है, जिसे मैं कौमी जिम्मेदारियों की वजह से ग्राउंड में नहीं खेल सका। लेकिन मैंने तमाम ट्रैफिक को कह दिया है कि कंटेनर हटा दिए जाएं ताकि कौम जश्न मना सके।' शेख राशिद ने आगे कहा कि, 'पाकिस्तान की टीम और कौम को यह जीत मुबारक। आज हमारा फाइनल था। हिन्दुस्तान सहित दुनिया के तमाम मुसलमानों के जज्बात पाकिस्तानी टीम के साथ थे। इस्लाम को फतह मुबारक हो।'

इमरान दिल्ली में जनसभा करेंगे तो मोदी से भी ज्यादा भीड़ होगी! पाकिस्तानी मंत्री का अजीबोगरीब दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)।
पाकिस्तान के पीएम इमरान खान से लेकर कई मंत्री भारत को लेकर कई बेतुके बयान देता आ रहा है। इसी बीच अब पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने एक बड़ा ही अजीबोगरीब बयान दे दिया है । 24 अक्टूबर 2021 के भारत-पाकिस्तान मैच से पहले दुबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फवाद चौधरी ने बेतुका बयान देते हुए कहा कि, भारत में इमरान खान की लोकप्रियता आसमान छू रही है। वह पीएम मोदी से भी ज्यादा लोकप्रिय हैं। उन्होंने आगे कहा कि, इमरान खान भारत में बहुत लोकप्रिय हैं। अगर वह आज दिल्ली में रैली करते हैं तो पीएम मोदी की रैली से भी ज्यादा भीड़ होगी। वीडियो में उन्होंने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी की वजह से भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हुए हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई वीडियो

बता दें कि, यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। इस वीडियो को देखने के बाद नेटिज़न्स ने कई कमेंट भी किए है।गौरतलब है कि फ़वाद ने हालांकि भारतीय सरजमीं पर इमरान की लोकप्रियता के बारे में बात की थी, लेकिन प्रधानमंत्री इमरान धीरे-धीरे पाकिस्तानी धरती पर अपनी लोकप्रियता खोते जा रहे हैं। भारत-पाक के मैच के बाद फवाद ने अपने बयान में कहा कि, पाकिस्तान किसी भी तरह से भारत को हराने के लिए तत्पर है।

चीन में कोरोना की दहशत, सभी पर्यटक स्थलों को किया गया बंद

बीजिंग। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय उत्तर-पश्चिमी चीन के गांसू प्रांत में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को यहां के सभी पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया। गांसू प्रांत प्राचीन समय के रेशम मार्ग पर स्थित है और इसे बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रों वाली गुफाओं और अन्य धार्मिक स्थलों के लिए पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि बीते 24 घंटे में संक्रमण के स्थानीय स्तर पर फैलने के 35 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से चार मामले गांसू के हैं। इनर मंगोलिया क्षेत्र में संक्रमण के 19 मामले सामने आए हैं जिसके बाद यहां के लोगों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश दिया गया है। बीजिंग में फरवरी में होने वाले विंटर ओलंपिक से पहले यात्रियों और पर्यटक समूहों के कारण कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप का प्रकोप होना चिंता का विषय है। इस आयोजन में अन्य देशों के दर्शकों पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है।

लाओस ने 2021-2025 के लिए पर्यटन रोडमैप लॉन्च किया

वियनतियाने (एजेंसी)।
लाओस के सूचना, संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने 2021-2025 के लिए टूरिज्म रिकवरी रोडमैप लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य घरेलू यात्रा को बढ़ावा देकर कोविड प्रभावित क्षेत्र की रिकवरी करना है। इसकी सूचना स्थानीय मीडिया ने सोमवार को दी।समाचार एजेंसी ने वियनतियाने टाइम्स के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा, इस पहल को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) का समर्थन प्राप्त है। राजधानी वियनतियाने में इसके लॉन्च पर उप सूचना, संस्कृति और पर्यटन मंत्री ओन्थुआंग खाओफान ने कहा कि यह योजना पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के उपायों को पेश करेगी और लाओस में पर्यटन की रिकवरी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी। रोडमैप में तीन मुख्य नीति विकल्प शामिल हैं, जिसमें घरेलू पर्यटन को समर्थन और बढ़ावा देना, कम जोखिम वाले देशों के साथ यात्रा बबल स्थापित करना और पर्यावरण के लिए और बेहतर दीर्घकालिक रिकवरी के लिए पर्यटन को हरा-भरा करना शामिल है।

इसमें तीन पुनर्प्राप्ति विषय शामिल हैं, जिसमें नौकरियों की रक्षा करना और पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए हस्तक्षेप शामिल है। साथ ही विश्वास और क्षेत्र को मजबूत करना और पर्यटन उत्पादों, सेवाओं और बाजारों में सुधार, विस्तार और विविधता लाना भी जरूरी है। लॉन्च समारोह में यूएनडीपी के रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव रिकार्डो रीगर ने कहा, कोविड -19 रिकवरी के बाद लाओस के लिए हरे और टिकाऊ पर्यटन में काफी संभावनाएं हैं। रीगर ने कहा, अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के साथ, लाओस स्थायी और समावेशी विकास के लिए प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान कर सकता है जिससे हरित रोजगार और आजीविका के अवसर, एक हरित रिकवरी और हरित विकास होगा।

क्षेत्रीय राज्यों का इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाना एक गलती है: खामेनेई

तेहरान (एजेंसी)।
ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि कुछ क्षेत्रीय राज्यों का इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करने का प्रयास एक गलती है। समाचार एजेंसी ने खमेनेई के हवाले से कहा है कि जिन सरकारों ने हाल ही में इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए हैं, उन्हें इस इस्लाम विरोधी आंदोलन से मुंह मोड़ लेना चाहिए और अपनी बड़ी गलतियों की भरपाई करनी चाहिए। उन्होंने मुस्लिम राज्यों के बीच एकता के लिए फिलिस्तीनियों के अधिकारों को बहाल करने का आग्रह किया, ताकि उनकी भूमि से इजरायल के कब्जे को हटाया जा सके। खामेनेई के हवाले से कहा गया कि मुसलमानों की एकता का मुख्य संकेतक फिलिस्तीन का मुद्दा है, और फिलिस्तीनियों के अधिकारों की बहाली पर जितनी गंभीरता खर्च की जाएगी, इस्लामी एकता उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने मुसलमानों और उपासकों के खिलाफ अफगान मस्जिदों में हाल ही में दुर्भाग्यपूर्ण और अश्रुपूर्ण विस्फोटों पर शिकायत व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमले इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों द्वारा किए गए थे। इसके अलावा रविवार को, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने इजरायल की हालिया धमकियों को नजरअंदाज किया और अपने देश की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया देने का वादा किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुकाबला करने के लिए इजराइल के पर्याप्त धन के आवंटन का जिक्र किया, और कहा कि इजराइल को ईरान की प्रतिक्रिया के कारण हुए नुकसान के पुनर्निर्माण के बारे में सोचना चाहिए। शामखानी ने ट्वीट किया, ईरान के खिलाफ अत्याचारों के लिए 1.5 अरब डॉलर का बजट आवंटित करने के बजाय, जायोनी शासन (इजराइल के) को ईरान की चौंकाने वाली प्रतिक्रिया से होने वाले नुकसान की मरम्मत के लिए हजारों अरब डॉलर का वित्त पोषण प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए। पश्चिमी मीडिया ने बताया कि इजराइल ने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 1.5 अरब डॉलर आवंटित किए हैं।

सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हाउती-नियंत्रित साइटों पर बमबारी जारी रखी

सना (एजेंसी)।
सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के युद्धक विमानों ने यमन के तेल समृद्ध प्रांत मारिब में हाउती मिलिशिया द्वारा नियंत्रित विभिन्न स्थलों पर बमबारी जारी रखी है। यह जानकारी एक सैन्य अधिकारी ने दी है। अधिकारी ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, मारिब में हौउती-आयोजित स्थल सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन युद्धक विमानों द्वारा भारी रूप से प्रभावित हुए, जो विद्रोहियों की रणनीतिक शहर की ओर प्रगति को धीमा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में भारी हवाई बमबारी के कारण विद्रोहियों ने जमीन पर अपनी बढ़त को आंशिक रूप से रोक दिया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।अधिकारी के अनुसार, मारिब में तैनात सरकार समर्थक यमनी बलों का समर्थन करने के प्रयास में गठबंधन ने हाउतियों के खिलाफ अपने हवाई हमलों का विस्तार किया। आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया, इससे पहले रविवार को, सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने घोषणा की थी कि पिछले तीन दिनों में मारिब शहर में लड़ाई में कम से कम 264 हाउती विद्रोही मारे गए और उनके 36 सैन्य वाहन नष्ट हो गए। यमनी सैन्य सूत्रों ने पुष्टि की कि ज्यादातर हवाई हमले मारिब के दक्षिणी जिले अल जुबाह और आसपास के अन्य क्षेत्रों में किए गए थे, जहां दोनों युद्धरत पक्षों के बीच बिना रुके सशस्त्र टकराव देखे जा रहे हैं। हालांकि, हाउती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हाउती-संबद्ध मासीरा टेलीविजन नेटवर्क पर सऊदी के नेतृत्व वाले हवाई हमलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अगर दुश्मन को लगता था कि उनके युद्धक विमान हमारे सैनिकों की प्रगति को रोक सकते हैं या हमारे सेनानियों के संकल्प को तोड़ सकते हैं, तो वे गलत थे। सारी ने दावा किया कि मारिब में एक सैन्य अभियान के दौरान विद्रोहियों ने 550 सरकार समर्थक सैनिकों को मार डाला, 1,200 अन्य को घायल कर दिया और 90 को पकड़ लिया।

टीएलपी ने पाकिस्तान सरकार को पार्टी प्रमुख को रिहा करने के लिये दो दिन का समय दिया

लाहौर (एजेंसी)।
कट्टर इस्लामवादी दल तहरीक-ए-लब्बैक पााकिस्तान (टीएलपी) ने सरकार को पार्टी प्रमुख साद रिजवी को रिहा करने और फ्रांस के राजदूत के निष्कासन के लिये रविवार को दो दिन का समय दिया और ऐसा नहीं होने पर राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद में धरना देने की चेतावनी दी।

टीएलपी के समर्थक इस्लामाबाद जाने वाले रास्ते पर डेरा डाले हुए हैं। टीएलपी के साथ बैठक के बाद पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद ने रविवार को कहा कि इस्लामवादी इस्लामाबाद की ओर मार्च नहीं करेंगे क्योंकि टीएलपी के कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया जाएगा। टीएलपी प्रतिनिधिमंडल तथा कोट लखपत जेल में रिजवी से मुलाकात करने वाले मंत्री ने कहा, इससे पहले, टीएलपी के साथ हस्ताक्षर किये गए समझौते के तहत फ्रांस के राजदूत को निष्कासित करने के मुद्दे को चर्चा के लिये संसद में ले जाया जाएगा।

पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने कहा, करीब 10,000 इस्लामवादी लाहौर से करीब 80 किलोमीटर दूर मुरीदके से गुजरांवाला (जीटी रोड पर) तक डेरा डाले हुए हैं। वे राजधानी में मार्च करने के लिए अपने नेतृत्व के संकेत का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, फिलहाल, प्रदर्शनकारियों को कुछ और दिनों के लिए वहां रहने के लिए कहा गया है क्योंकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सरकार ने मंगलवार तक उनके नेता (रिज़वी) को रिहा करने और ईशनिंदा वाले कार्टूनों पर फ्रांसीसी दूत के निष्कासन के संबंध में कदम उठाने का वादा किया है।

मीडिया को जारी एक बयान में, टीएलपी ने कहा~ सरकार ने हमसे (फ्रांसीसी दूत को निष्कासित करने के लिए) समझौते को लागू करने और पार्टी प्रमुख साद रिजवी सहित हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए मंगलवार तक का समय मांगा है। इसके अलावा, सरकार हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं के खिलाफ सभी अवैध प्राथमिकी रद्द कर देगी। हमारा विरोध मार्च हमारी मांगों को स्वीकार किये जाने के बाद ही समाप्त होगा। इससे पहले,टीएलपी के हजारों समर्थकों ने शनिवार को दूसरे दिन लाहौर से इस्लामाबाद के लिए मार्च का प्रयास किया जिसे रोकने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे थे। लाहौर में पुलिस और कट्टरपंथी इस्लामी सदस्यों के बीच झड़प में दो पुलिसकर्मियों सहित कई लोगों की मौत हो गई थी। टीएलपी समर्थकों ने रिजवी की रिहाई और फ्रांस के राजदूत को पैगंबर मोहम्मद के कार्टून के मुद्दे पर निष्कासन की मांग को लेकर इस्लामाबाद तक के लिए जुलूस की शुरुआत की थी। रिजवी की रिहाई की मांग को लेकर हजारों समर्थकों ने शुक्रवार को मार्च की शुरुआत की थी। रैली में शामिल लोग इस्लामाबाद जाना चााहते हैं ताकि वे रिजवी की रिहाई को लेकर पाकिस्तान सरकार पर दबाव बना सकें। पैंगबर मोहम्मद का कार्टून बनाने को लेकर फ्रांस के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बीच पिछले साल रिजवी को गिरफ्तार किया गया था। प्रांतीय कानून मंत्री राजा बशारत ने कहा कि समझौते के तहत पंजाब सरकार रिजवी पर लगे आरोपों को वापस लेगी और मंगलवार तक उन सभी लोगों को रिहा किया जाएगा जिन्हें प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया है।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं पता चल सका है कि रिजवी को कब तक रिहा किया जाएगा। बशारत के मुताबिक, समझौते में कहा गया है कि संघीय सरकार कार्टून के प्रकाशन पर फ्रांस के साथ राजनयिक संबंधों पर गौर करने के लिए टीएलपी के साथ पूर्व में हुए समझौते का सम्मान करेगी।

क्रांति समय

मंगलवार 26 अक्टूबर-2021

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हिमाचल प्रदेश में एक महीने में 550 से अधिक छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित

शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक महीने में 550 से अधिक छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। राज्य के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 27 सितंबर से 25 अक्टूबर तक विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों के 556 छात्र संक्रमित पाए गए। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 196 छात्र हमीरपुर जिले में संक्रमित पाए गए। इसके बाद कांगड़ा में 173, ऊना में 104, मंडी में 26, शिमला में 22, किन्नौर में 14, कुल्लू में आठ, बिलासपुर में सात, सोलन में चार, चंबा और लाहौल-स्पीति जिलों में एक-एक छात्र संक्रमित पाये गये। उन्होंने बताया कि हमीरपुर जिले में संक्रमित पाए गए 196 छात्रों में से 35 डूंगरी में नवोदय विद्यालय के छात्र थे, जो आठ अक्टूबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए, जबकि बारा में सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल के 15 और 12 छात्र क्रमश- 23 अक्टूबर और 24 अक्टूबर को संक्रमणग्रस्त हुए। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 556 में से 250 छात्र अब भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं जबकि 305 संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में सोमवार दोपहर तक कोविड-19 के कुल 1,415 मरीज उपचाराधीन हैं। पर्वतीय राज्य में उपचाराधीन मरीजों में से एक चौथाई संख्या छात्रों की है। अधिकारी ने बताया कि हमीरपुर जिले में कुछ दिनों पहले 13 वर्षीय छात्रा की कोविड-19 के कारण मौत हो गयी थी। वह अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल हुई थी, जिसके बाद बीमार पड़ गयी थी और उसे गले का संक्रमण हो गया था। बाद में वह कोरोना वायरस से संक्रमित पायी गयी और उसकी मौत हो गयी।

दिल्ली में डेंगू के मामले 1,000 के पार, एक हफ्ते में 280 से अधिक मामले

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में इस साल डेंगू के 1,000 से अधिक मामले आए हैं, जिनमें से 280 से अधिक नए मामले पिछले एक हफ्ते में आए। नगर निगम की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है। दिल्ली में इस मौसम में दर्ज किए गए डेंगू के कुल मामलों में से 665 मामले इस महीने 23 अक्टूबर तक दर्ज किए गए। शहर में पिछले दो हफ्तों में मच्छर जनित बीमारी के मामले बढ़े हैं और दिल्ली में इस बीमारी से पहली मौत 18 अक्टूबर को हुई। सितंबर में यहां एक निजी अस्पताल में सरिता विहार निवासी 35 वर्षीय ममता कश्यप की डेंगू से मौत हो गयी थी। सोमवार को मच्छर जनित बीमारियों पर जारी नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार, इस मौसम में 23 अक्टूबर तक डेंगू के कुल 1,006 मामले दर्ज किए गए और एक व्यक्ति की मौत हुई।

राजस्थान: एकतरफा प्यार के चक्कर में विवाहिता की कुल्हाड़ी से की हत्या

जयपुर। राजस्थान के जालोर जिले में एक युवक ने एक विवाहिता की कथित रूप से कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला से एकतरफा प्यार करता था। उन्होंने कहा, ''आहोर थाना क्षेत्र के थानवाला इलाके में गणेशराम (22) ने शांतिदेवी की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी।'' पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी महिला से प्रेम संबंध बनाना चाहता था, लेकिन महिला ने इससे इनकार कर दिया था। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हिमाचल प्रदेश के शिमला में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 2.1 मापी गई तीव्रता

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में सोमवार की सुबह कम तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता 2.1 मापी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भूकंप सुबह चार बजकर लगभग आठ मिनट पर आया। यह शिमला जिले में पांच किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। उन्होंने कहा कि भूकंप से जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

आयकर विभाग ने भूमि कारोबारी की 100 करोड़ रुपये की काली कमाई का पता लगाया

नयी दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सोमवार को कहा कि आयकर विभाग ने नासिक के एक भूमि कारोबोरी के यहां 21 अक्टूबर को की गई छापेमारी के बाद 23.45 करोड़ रुपये की बिना हिसाब की नकदी जब्त की है और 100 करोड़ रुपये की काली कमाई का पता लगाया है। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, ''जिन मुख्य व्यक्तियों ने अपनी बिना हिसाब की आय का भूमि के बड़े हिस्से की खरीद में निवेश किया था, उनके यहां भी तलाशी ली गई।'' इसने कहा, ''इनमें से अधिकतर व्यक्ति महाराष्ट्र के पिंपलगांव बसवंत क्षेत्र में प्याज और अन्य नकदी फसलों के थोक व्यापार में शामिल हैं।'' इसने दावा किया कि संपत्तियों में निवेश के लिए इन व्यापारियों द्वारा किए गए बड़े नकद लेन-देन के रिकॉर्ड सहित विभिन्न सबूत मिले हैं। बयान में कहा गया कि तलाशी के दौरान मिले कई बैंक लॉकरों को बंद कर दिया गया। सीबीडीटी ने कहा, ''तलाशी अभियान में अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक की बिना हिसाब की आय का पता चला है।

राजस्थान के कोटा में सड़क पर कूड़ा फेंकने का विरोध करने वाले बुजुर्ग की हत्या

कोटा (राजस्थान)। राजस्थान के कोटा के एक गांव में अपनी दुकान के सामने सड़क पर कूड़ा फेंकने का विरोध करने पर 68 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह

पाक के बजाय, विकास के लिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं से बात करेंगे : अमित शाह

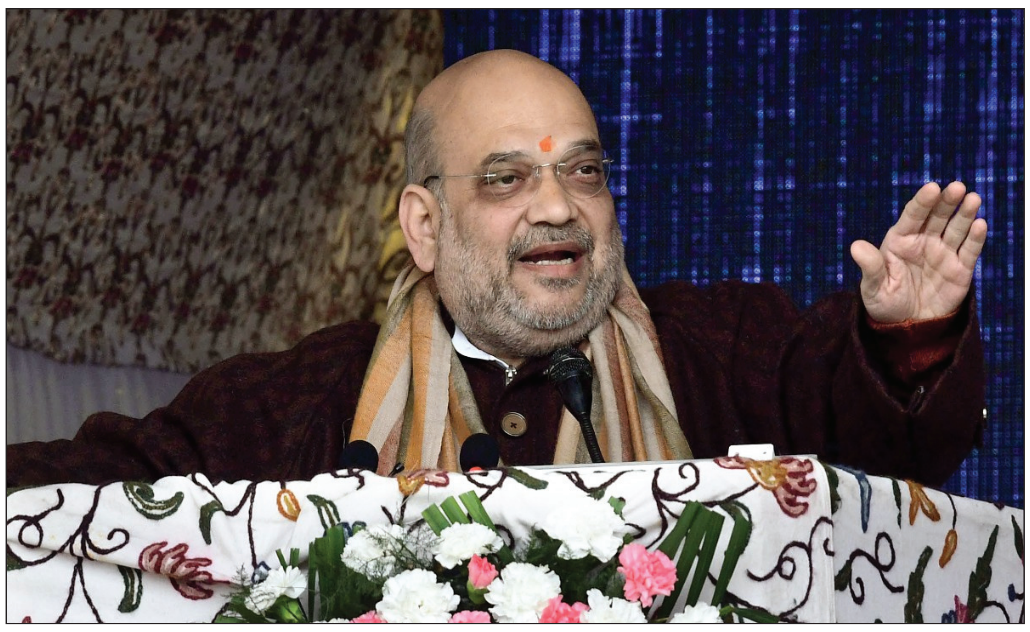

श्रीनगर (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंसके अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर सोमवार को निशाना साधा और कहा कि इसके बजाय सरकार जम्मू कश्मीर को देश में सबसे विकसित राज्य बनाने के लिए उसके युवाओं से बात करेगी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद अपनी पहली यात्रा पर जम्मू कश्मीर पहुंचे शाह ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई अन्य की आधारशिला रखी। शाह ने यहां एसकेआईसीसी में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने अखबारों में पढ़ा है कि फारूक अब्दुल्ला ने सुझाव दिया है कि सरकार को पाकिस्तान से बात करनी चाहिए।

उन्हें अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन हम कश्मीरी युवाओं से बात करना पसंद करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का केवल एक ही इरादा था- कश्मीर, जम्मू और नवनिर्मित लद्दाख (केंद्र शासित प्रदेश) को विकास के रास्ते पर लाना। आप 2024 तक हमारे प्रयासों का फल देखेंगे।'' पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को अगस्त 2019 में निरस्त कर दिया गया था और राज्य को जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख के रूप में दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था।

शाह ने बेमिना में 115 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 500 बिस्तरों वाले अस्पताल का उद्घाटन किया, हंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज, बारामूला जिले के फिरोजपुर नाले पर 46 करोड़ रुपये के स्टील गर्डर पुल और 4,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं तथा अन्य की आधारशिला रखी। गृह मंत्री ने कहा कि इस्लामाबाद और अलगाववादियों के साथ बातचीत की वकालत करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में क्या किया है।

उत्तर प्रदेश चुनावः कांग्रेस ने 10 लाख रुपये तक का सरकारी इलाज मुफ्त कराने का वादा किया

लखनऊ (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपने सात वादे सार्वजनिक करने के कुछ दिन बाद सोमवार को ऐलान किया कि राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर लोगों का किसी भी बीमारी का 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त कराया जाएगा। प्रियंका ने एक ट्वीट में कहा, सस्ते व अच्छे इलाज के लिए घोषणापत्र समिति की सहमति से उप्र कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर, कोई भी हो बीमारी, मुफ्त होगा 10 लाख रूपये तक का इलाज सरकारी।

उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान और इस वक्त राज्य में जगह-जगह से आ रहीं बुखार फैलने की खबरों को लेकर सरकारी व्यवस्थाओं पर निशाना साधते हुए इसी ट्वीट में कहा कोरोना काल में और अभी प्रदेश में फैले बुखार में सरकारी उपेक्षा के चलते उप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत सबने देखी। इससे पहले, कांग्रेस के सत्ता में आने पर छात्राओं को स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक स्कूटी देने का वादा किया गया था।

पिछली 23 अक्टूबर को प्रियंका ने बाराबंकी जिले से प्रतिज्ञा यात्राओं को हरी झंडी दिखाई थी। इस मौके

पर पार्टी ने 20 लाख लोगों को नौकरी देने, बिजली का बिल आधा करने और कोविड-19 महामारी के दौरान वित्तीय संकट से गुजर रहे परिवारों को 25-25 हजार रुपए की सहायता देने का ऐलान किया था। पार्टी प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने की भी घोषणा कर चुकी है।

बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र का विस्तार संघीय ढांचे में दखल देने का प्रयासङ्घ ममता बनर्जी

सिलीगुड़ी (प.बंगाल) (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र का विस्तार करने संबंधी केंद्र के कदम की आलोचना करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि यह देश के संघीय ढांचे में हस्तक्षेप करने का प्रयास है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम में अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के बजाय 50 किलोमीटर के बड़े हिस्से में तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी करने के लिए बल को अधिकृत करने के वास्ते बीएसएफ अधिनियम में संशोधन किया था।

बनर्जी ने हालांकि कहा कि राज्य को सीमावर्ती इलाकों में कोई समस्या नहीं है। बनर्जी ने यहां एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में कहा, ''बीएसएफ मामले के संबंध में, हमने इस कदम का विरोध करते हुए एक पत्र भेजा है। इससे पहले उनका 15 किलोमीटर का क्षेत्राधिकार था, बालुरघाट या कूचबिहार में गोलीबारी की घटनाएं होती थीं। अब उन्होंने इसे बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया है। यह देश के संघीय ढांचे में दखल देने की कोशिश है।'' उन्होंने कहा, ''हमें सीमावर्ती क्षेत्रों में कोई समस्या नहीं है और बहुत सौहार्दपूर्ण संबंध (पड़ोसी देशों के साथ) साझा करते हैं। इस भ्रम को पैदा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है।

दिल्ली में छठ महापर्व से पूर्व श्रद्धालुओं के लिए होगा टीकाकरण अभियान का आयोजन

नयी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने राजधानी में छठ पूजा करने वाले 10,000 लोगों के लिए एक विशेष कोविड-19 टीकाकरण अभियान की सोमवार को घोषणा की। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी मंगलवार को बुराड़ी के निकट कादीपुर से इस विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे। मनोज तिवारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 卐हमें छठ पूजा सावधानी के साथ मनानी है इसलिए कल (मंगलवार) से छठ व्रत विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान में छठ पूजा करने वाले 10,000 ऐसे श्रद्धालुओं का टीकाकरण किया जाएगा जो किसी कारण से टीका नहीं लगवा सके। भाजपा नेता ने कहा कि नगर निगमों की मदद से पार्टी के पार्षद हर इलाके का दौरा करेंगे और ऐसे लोगों की पहचान करेंगे, जिन्हें कोविड??-19 का टीका किसी कारण वश नहीं लग पाया था। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम एक गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से चलाया जाएगा। तिवारी ने यह भी कहा कि भाजपा के सभी पार्षद और तीनों नगर निगम के कर्मचारी जल्द ही छठ घाटों की सफाई शुरू करेंगे।

कोविड-19 के नए स्वरूप की रोकथाम के लिए एसओपी जारी करे केंद्र सरकारः गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में कोविड-19 के एक नए स्वरूप (वेरिएंट) के मामले सामने आने पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को इसकी रोकथाम के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करनी चाहिए। गहलोत ने ट्वीट किया, ''रूस और ब्रिटेन समेत कई देशों में हजारों लोगों की जान लेने वाले कोरोना वायरस के नए स्वरूप डेल्टा प्लस एवाई.4.2 के कई मामले भारत में भी सामने आए हैं। यह डेल्टा स्वरूप से भी अधिक तेजी से फैलता है।''

मुख्यमंत्री ने लिखा कि केन्द्र सरकार को इसकी समय पर रोकथाम के लिए दूसरे देशों के अनुभवों के आधार पर एसओपी तैयार करके जारी करनी चाहिए। उन्होंने लिखा, ''शुरुआत में डेल्टा स्वरूप के भी इक्का-दुक्का मामले सामने आए थे, लेकिन इसे पूरे देश में फैलने में समय नहीं लगा था। डेल्टा स्वरूप जैसा अनुभव इस बार न हो, इसके लिए पूरी तैयारी आवश्यक है।

नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े को बताया फर्जी आदमी, बोले- एनसीबी अधिकारी ने जन्म प्रमाण पत्र में की छेड़छाड़

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने एनसीबी के मंडल निदेशक समीर वानखेड़े को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि समीर वानखेड़े एक फर्जी व्यक्ति है। इसका जन्म प्रमाण पत्र समीर दाऊद वानखेड़े का है। इसने जन्म प्रमाण पत्र में छेड़छाड़ की और उनके पिताजी ने धर्मांतरण करने के बाद जो नाम बदला था उसे दुरुस्त किया। इसी आधार पर उसने अपना जाति प्रमाण पत्र निकाला।

समाचार एजेंसी के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि आईआरएस के उम्मीदवारों के अधिकारों को फर्जीवाड़ा करके छीना गया है... फर्ज़ी मामले बनाना, लोगों से बड़े पैमाने पर पैसा वसूल करना और वो ही पैसा बिल्डरों के पास पार्क करना। इसने बड़े पैमाने में फर्ज़ी मामले बनाए, लोगों को डराया, पैसे वसूल किए।

नवाब मलिक ने साझा की थी तस्वीर

दरअसल, नवाब मलिक ने एक तस्वीर साझा की जिसमें एनसीबी अधिकारी के पिता का नाम दाऊद दिखाया गया है। हालांकि, इस तस्वीर को लेकर समीर वानखेड़े का भी बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि उनके पिता का नाम ज्ञानदेव है जो एक आबकारी अधिकारी थे।

आपको बता दें कि ड्रग्स मामले में समीर वानखेड़े ने नवाब मलिक के दामाद का नाम जोड़ा था उसके बाद से ही एनसीपी नेता ने एनसीबी के मंडल निदेशक पर हमले तेज कर दिए थे। उन्होंने कहा था कि पिछले साल सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद केंद्र सरकार ने विशेष रूप से वानखेड़े को एजेंसी में नियुक्त किया था और नवाब मलिक ने वानखेड़े को बोगस अधिकारी करार देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ एक बार सबूत बाहर आ जाएं तो वह एक दिन भी सरकारी सेवा में नहीं रह सकते।

लालू के बयान पर कांग्रेस ने कहा: उनका सम्मान करती है, उपचुनावों में फैसला जनता करेगी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने बिहार में दो विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के संदर्भ में राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के प्रमुख लालू प्रसाद के एक बयान को लेकर सोमवार को किसी भी तरह से पलटवार करने से परहेज किया और सिर्फ यह कहा कि वह लालू प्रसाद का सम्मान करती है तथा उपचुनावों में फैसला जनता करेगी। लालू ने सहयोगी के तौर पर कांग्रेस की उपयोगिता पर रविवार को सवाल उठाते हुए कहा था कि क्या राजद को विधानसभा उपचुनावों में एक सीट कांग्रेस के लिये छोड़ देनी चाहिए, ताकि वह वहां अपनी जमानत जब्त करा ले। उन्होंने कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास पर भी निशाना साधा था। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री के बयान के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''लालू जी देश के वयोवृद्ध नेता हैं और उनका सम्मान करते हैं। हर दल के नेता उनकी ओर देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। जहां तक उपचुनाव की बात है, तो दोनों सीटों पर (हार-जीत) जनता तय करेगी।'' इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य से जुड़े मुद्दों पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपनी प्रतिक्रिया देगी। यह पूछे जाने पर कि सहयोगी दल, कांग्रेस को महत्व क्यों नहीं दे रहे, तो खेड़ा ने कहा, ''कई राज्यों में देखिए, लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। उस बारे में हमसे कोई सवाल नहीं किया जाता। लेकिन कहीं किसी ने कुछ कह दिया तो फिर हमसे पूछा जाता है।'' उन्होंने दावा किया, ''गुजरात में भाजपा के नेताओं की लंबी सूची है, जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। गोवा में पूरी आम आदमी पार्टी कांग्रेस में शामिल हो गई। इस बारे में तो चर्चा नहीं होती।

कानून के तहत समलैंगिक विवाहों को मान्यता देने के लिए याचिकाओं पर 30 नवंबर को होगी अंतिम सुनवाई

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने समलैंगिक जोड़ों की उन दो याचिकाओं सहित अलग-अलग याचिकाओं को अंतिम सुनवाई के लिए सोमवार को 30नवंबर को सूचीबद्ध कर दिया, जिनमें विशेष, हिंदू और विदेशी विवाह कानूनों के तहत समलैंगिक विवाहों को मान्यता देने का अनुरोध किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने मामले में पक्षकारों को जवाब और प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए समय दिया और इसे 30 नवंबर को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। पहली याचिका में, अभिजीत अय्यर मित्रा और तीन अन्य ने तर्क दिया है कि विवाह अधिनियम (एसएमए) के तहत उन्हें मान्यता देने की घोषणा करने का अनुरोध किया गया है। दो अन्य याचिकाओं में से एक विशेष विवाह कानूनके तहत शादी करने के अनुरोधको लेकर दो महिलाओं ने दाखिल की है जबकि दूसरी याचिका दो पुरुषों की है जिन्होंने अमेरिका में शादी की लेकिन विदेशी विवाह अधिनियम (एफएमए) के तहत उनकी शादी के पंजीकरण से इनकार कर दिया गया। एक अन्य याचिका में भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) कार्डधारक के विदेशी मूल के पति या पत्नी को लिंग या यौन अभिविन्यास की परवाह किए बिना ओसीआई पंजीकरण के लिए आवेदन करने की अनुमति देने अनुरोध किया गया है।

रटगर्स विश्वविद्यालय, अमेरिका में पीएचडी कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान, दंपति की ओर से पेश अधिवक्ता करुणा नंदी ने कहा कि उन्होंने न्यूयॉर्क में शादी की और उनके मामले में नागरिकता अधिनियम, विदेशी विवाह कानून और हिन्दूविवाह कानूनकानून लागू हैं। केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि एक 'जीवनसाथी' का अर्थ पति या पत्नी है और 'विवाह' विषमलैंगिक जोड़ों से जुड़ा एक शब्द है और नागरिकता अधिनियम के संबंध में एक विशिष्ट उत्तर दाखिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है। समान अधिकार कार्यकर्ता मित्रा, गोपी शंकर एम, गीता थडानी और जी ऊरवासी की याचिका

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

साउथ ब्लॉक स्थित अपने मंत्रालय के कार्यालयों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे रक्षामंत्री

नई दिल्ली।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साउथ ब्लॉक स्थित अपने मंत्रालय के कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर कामकाज के माहौल का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्री सिंह कार्यालय के विभिन्न खंडों में गए और वहां स्वच्छता, कामकाज के माहौल का जायजा लेकर कर्मचारियों के साथ बातचीत की।उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री को जहां कहीं सुधार की जरूरत महसूस हुई, उसके लिए उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए।अधिकारियों ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव राजकुमार व मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी थे। रक्षामंत्री ने कामकाज के साथ कार्यालय में साफ सफाई का भी जायजा लिया।रक्षा मंत्री ने कार्यालय में अधूरे पड़े कामों पर भी कर्मचारियों से सवाल कर उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इससे पहले रक्षामंत्री ने डिफेंस एक्सो को लेकर भी कई बड़ी बातें कहीं।उन्होंने कहा कि होने वाले डिफेंस एक्सो में यह सामने आएगा कि भारत टेक्नोलॉजी के दौर में अनुसंधान और विकास के साथ सेना के लिए जरूरी आधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करके क्या हासिल करने में सक्षम है।

मुंबई सेशंस कोर्ट ने प्रभाकर साइल के खिलाफ याचिका ठुकराई

मुंबई।

अभिनेता शाहरुख़ खान के बेटे आर्यन खान ड्रग्स केस की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की याचिका को मुंबई की अदालत ने ठुकरा दी है. यह याचिका एनसीबी टीम और समीर वानखेड़े की ओर से गवाह प्रभाकर साइल के एफिडेविट के खिलाफ दाखिल गई थी और कोर्ट से अपील की गई थी कि वे प्रभाकर के एफिडेविट का संज्ञान ना ले और आर्यन खान ड्रग्स केस की जांच में कोई भी रुकावट डालने की कोशिश को रोकें. स्पेशल जज वी.वी पाटील ने एनसीबी की इस याचिका को ठुकरा दिया. उन्होंने कहा कि एनसीबी को जो भी कहना है वो हाईकोर्ट में जाकर कहे. सत्र न्यायालय में यह मामला खत्म हो चुका है. जज वी.वी,पाटील ने कहा कि यह मामला अब हाईकोर्ट में है. इसलिए वे इस मामले पर कोई ऑर्डर नहीं दे सकते. अब ये देखने वाली बात होगी कि क्या इस मामले में एनसीबी हाईकोर्ट जाती है?

- प्रभाकर ने सारे सबूत क्राइम ब्रांच को सौंपे

प्रभाकर साइल ने पुलिस सुरक्षा के लिए सहार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई. प्रभाकर की मांग के मुताबिक उसे पुलिस सुरक्षा दी गई है. प्रभाकर साइल के वकील के मुताबिक प्रभाकर ने इस मामले से जुड़े सारे सबूत क्राइम ब्रांच को सौंपे हैं.

बदलेगा मौसम का मिजाज, 9 राज्यों में हो सकती है भारी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र सहित देश के कुछ राज्यों में रविवार को तेज आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश हुई है। इसके साथ ही पहाड़ों से लेकर मैदानों तक में ठंड की दस्तक हो गई है। इस बीच मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपने ताजा पूर्वानुमान में कहा है कि 26 अक्टूबर तक पूरे से मानसून वापस लौट सकता है। ऐसे में करीब 9 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अगले 5 दिन तक जमकर बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। बता दें कि इस समय देश के पहाड़ी इलाकों में पहले से ही भारी बारिश और बर्फबारी का माहौल है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में इन दिनों तेज बारिश हो रही है। इस बारिश के कारा हुई घटनाओं में अब तक करीब 60 ट्रेकर्स अपनी जान गंवा चुके हैं। आईएमडी ने कहा है कि अगले 48 घंटों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की पूरी तरह से वापसी के साथ दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय क्षेत्र में पूर्वोत्तर मानसून की बारिश शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा एक पश्चिमी विक्षोभ भी है जो उत्तरी पाकिस्तान और उसके पड़ोस पर मौजूद है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण कर्नाटक में 29 अक्टूबर तक हल्की से मध्यम, भारी बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है। तटीय कर्नाटक के लिए इसी तरह का मौसम अलर्ट 4 दिन के लिए और तटीय आंध्र प्रदेश के लिए 24 घंटे का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने 25 से 26 अक्टूबर के बीच तमिलनाडु और पुडुचेरी में और 26 अक्टूबर को केरल और पुडुचेरी के माहे में बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तरी हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना है। आईएमडी बुलेटिन के अनुसार, अगले 24 घंटों में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है।

मोदी ने की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन की शुरुआत

5189 करोड़ के प्रोजेक्टों का किया लोकार्पण

वाराणसी (एजेंसी)।

अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यहां पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने वाराणसी के लिए 5,189 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने कोरोना महामारी से अपनी लड़ाई में 100 करोड़ वैक्सीन डोज के बड़े पड़ाव को पूरा किया है। पीएम मोदी ने कहा बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से, मां गंगा के अविरल प्रताप से, काशीवासियों के अखंड विश्वास से, सबको वैक्सीन-मुफ्त वैक्सीन का अभियान सफलता से आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने कहा कि आज़ादी के बाद के लंबे कालखंड में आरोग्य पर, स्वास्थ्य सुविधाओं पर उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितनी देश को जरूरत थी। देश में जिनकी लंबे समय तक सरकारें रहीं, उन्होंने देश के हेल्थकेयर सिस्टम के संपूर्ण विकास के बजाय, उसे सुविधाओं से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि काशी के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े करीब 5,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का भी लोकार्पण अभी किया गया है। इसमें सड़कों से लेकर, घाटों की सुंदरता, गंगा जी और वरुणा की साफ-सफाई, पुलों, पार्किंग स्थलों, बीएचयू में अनेक सुविधाओं से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का भी माध्यम है। आयुष्मान भारत योजना ने 2 करोड़ से अधिक गरीबों का अस्पताल में मुफ़्त इलाज करवाया है।

पीएम मोदी ने कहा कि गांवों और शहरों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले जा रहे हैं, जहां बीमारियों को शुरुआत में ही डिटेक्ट करने की सुविधा होगी। इन सेंटरों में फ्री मेडिकल कंसलटेशन, फ्री टेस्ट, फ्री दवा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। आयुष्मान भारत योजना ने 2 करोड़ से अधिक गरीबों का अस्पताल में मुफ्त इलाज भी करवाया है।

इलाज से जुड़ी अनेक परेशानियों को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के जरिए हल किया जा रहा है। हमसे पहले जो सरकारें में रहे, उनके लिए स्वास्थ्य सेवा पैसा कमाने, घोटालों का जरिया रही है। गरीब की परेशानी देखकर भी, वो उनसे दूर भागते रहे। आज केंद्र और राज्य में वो सरकार है जो गरीब, दलित, शोषित-वंचित, पिछड़े, मध्यम वर्ग, सभी का दर्द समझती है। देश में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने के लिए हम दिन रात एक कर रहे हैं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द से मिले चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द से मुलाकात की। नायडू ने कहा कि राष्ट्रपति से मुलाकात कर हमने उन्हें बताया कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद और माफिया गिरोह राज्य में कैसे काम कर रहे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश से ड्रग्स देश और विदेशों में पहुंचाई जा रही है। अपनी पार्टी के कार्यालयों पर कथित हमले के मामले में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग के कुछ दिनों बाद नायडू का यह दिल्ली दौरा हुआ है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रपति से मिले और उन्हें बताया कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद और माफिया गिरोह राज्य में कैसे काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश से ड्रग्स पूरे भारत में और अब विदेशों में भी पहुंचाई जाती है। यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है। हम आंध्र प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बता दें कि नायडू ने पार्टी कार्यालयों पर हमले में केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

वो चाहते थे कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के माध्यम से आंध्र प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि मंगलगिरी में टीडीपी केंद्रीय कार्यालय पर हमले के लिए युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाइएसआरसीपी) जिम्मेदार थी। उन्होंने कहा था, सत्तारूढ़ सरकार विपक्षी पार्टी के कार्यालयों पर हमले के लिए जिम्मेदार है।

त्योहारी सीजन में खाने के तेल की कीमतों पर अंकुश लगाने केंद्र सरकार ने लगाई स्टाक लिमिट

नई दिल्ली।

आसमान छूती महंगाई से आमजन बेहाल है ऊपर से खाद्य तेल के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। त्योहारों के मद्देनजर सरकार ने कुछ सक्रियता दिखाते हुए स्टॉक लिमिट लगा दिया था। अब त्योहारी सीजन पर दाम काबू में रहें इसलिए आज यानी सोमवार को केंद्र सरकार की राज्यों के साथ एक अहम बैठक है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को घरेलू कीमतों को कंट्रोल करने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए, कुछ आयातकों और निर्यातकों को छोड़कर, खाद्य तेलों और तिलहन के व्यापारियों पर 31 मार्च तक स्टॉक लिमिट लगा दी थी। आज केंद्र सरकार अपने स्टॉक होल्डिंग लिमिट ऑर्डर पर की गई कार्रवाई की समीक्षा के लिए राज्यों के साथ वर्चुअल बैठक करेगी। स्टॉक लिमिट के तहत राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के उपलब्ध स्टॉक और खपत पैटर्न को ध्यान में रखते हुए खाद्य तेलों और तिलहन पर लगाए जाने वाले स्टॉक की सीमा तय करनी थी। उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 25 अक्टूबर, 2021 को सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खाद्य कीमतों पर स्टॉक सीमा आदेश पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करने के लिए बैठक करेगा। मंत्रालय का कहना है कि त्योहारों पर खाद्य तेलों की मांग काफी बढ़ जाती है, इसलिए इस तरह की बैठक अहम है। इसके पहले केंद्र ने ऊंची कीमतों को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें पाम ऑयल, सूरजमुखी तेल और सोयाबीन तेल के आयात शुल्क में बड़ी कटौती शामिल है।

राजनाथ सिंह ने किया रक्षा मंत्रालय के कार्यलयों का औचक निरीक्षण

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्रालय के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न वर्गों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, काम के माहौल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों के साथ बातचीत की। जहां भी सुधार की आवश्यकता की पहचान की गई, उन्होंने आवश्यक निर्देश पारित किए। इस औचक निरीक्षण दौरे के दौरान राजनाथ सिंह के साथ रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव राजकुमार और रक्षा मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी थे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि डिफेंस एक्स्पो का अगला संस्करण यह दिखाएगा कि भारत रक्षा अनुसंधान और विकास, उत्पादन और सेना के इस्तेमाल के लिए आधुनिक प्रौद्योगकियों को लागू कर क्या हासिल करने में सक्षम है। गुजरात के गांधीनगर में अगले साल 11-13 मार्च को भारत की सबसे बड़ी रक्षा प्रदर्शनी डिफेंस एक्स्पो के 12वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। आगामी एक्स्पो पर राजदूतों की एक बैठक को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात 334 प्रतिशत तक बढ़ गया है और अब भारत 75 से अधिक देशों को सैन्य उपकरणों का निर्यात कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा निर्यात प्रदर्शन हमारे रक्षा उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा का मजबूत संकेत है। क्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह प्रदर्शनी सभी आधुनिक प्रौद्योगिकियों को एक छत के नीचे लेकर आएगी और एयरोस्पेस तथा रक्षा उद्योग में पक्षकारों को असंख्य अवसर उपलब्ध कराएगी।

अभिनेता रजनीकांत प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित

-अवॉर्ड अपने गुरु, मार्गदर्शक बालचंदर सर को समर्पित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय फिल्म जगत के समर्थ अभिनेता और दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत को यहां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उन्होंने यह पुरस्कार अपने गुरु और फिल्म निर्देशक दिवंगत के. बालचंदर को समर्पित किया। अपने प्रशंसकों द्वारा 'थलाइवा' (तमिल में नेता) के नाम से पुकारे जाने वाले रजनीकांत को 2019 के लिए भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार ग्रहण करते हुए रजनीकांत ने पांच दशकों तक समर्थन करने को लेकर अपने बड़े भाई सत्यनारायण राव, परिवहन विभाग में अपने सहकर्मी और मित्र राज बहादुर, अपने प्रशंसकों, फिल्म निर्माताओं, सहकर्मियों और तमिल लोगों का शुक्रिया अदा किया। सत्तर वर्षीय अभिनेता रजनीकांत ने यहां विज्ञान भवन में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में कहा, 'मुझे यह पुरस्कार

ग्रहण करते हुए बहुत खुशी हो रही है और प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के लिए मैं सरकार को धन्यवाद देता हूं। मैं अपना यह पुरस्कार अपने गुरु, अपने मार्गदर्शक के. बालचंदर सर को समर्पित करता हूं, मैं अपने भाई सत्यनारायण राव का शुक्रिया करता हूं कि उन्होंने मुझे इतने अच्छे संस्कार दिए। वह मेरे जीवन में मेरे लिए पिता तुल्य हैं। रजनीकांत ने कहा कि मेरे दोस्त, वाहन चालक और परिवहन विभाग के सहकर्मी राज बहादुर का आभार जताता हूं।

आतंकियों ने पुलिस स्टेशन काकापोरा पर ग्रेनेड फेंका, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिला के अंतर्गत पड़ने वाले काकापोरा पुलिस स्टेशन पर आज यानि सोमवार शाम को आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया। इस घटना को अंजाम देकर आतंकी घटनास्थल से फरार होने में कामयाब रहे। फिलहाल इस ग्रेनेड हमले में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने आतंकियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान छेड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम को आतंकियों ने काकापोरा पुलिस स्टेशन में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड से हमला कर दिया। गनीमत यह रही कि इस हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ है। पुलिस ने इस घटना के तुरंत बाद क्षेत्र में तलाशी अभियान छेड़ दिया है। गौरतलब है कि इस समय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी कश्मीर में है, ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां कश्मीर में पहले से ही सर्तक हैं। कश्मीर में आतंकवादी अमित शाह के दौरे के दौरान आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। यही वजह है कि सुरक्षा एजेंसियां प्रदेश में पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। काकापोरा पुलिस स्टेशन के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है ताकि इसकी मदद से आतंकियों की पहचान की जा सके। इसी बीच पुंछ के भाटा धुरियां के जंगलों में आज 12वें दिन भी आतंकियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान जारी रहा। हालांकि इससे पहले आज सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ भी शुरू हुई लेकिन कुछ समय के उपरांत ही दोनों ओर से गोलियां की आवाज थम गई। इससे पहले गत रविवार को इसी इलाके में पुलिस ने कोट भलवाल जेल से रिमांड पर विदेशी आतंकी मुस्तफा को भाटा धुरियां के जंगलों में छिपे आतंकियों की पनाहगाह की पहचान के लिए अपने साथ ले गई थी। इसी दौरान आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई फायरिंग में उक्त विदेशी आतंकी गंभीर रूप से घायल हो गया था और मुठभेड़ स्थल के बीचोबीच फंस गया था। कुछ ही समय के उपरांत उसकी मौत हो गई थी।

आतंकवाद को शाह की खुली चुनौती

बिना बुलेट प्रूफ सुरक्षा के मौजूद हूं, आप भी अपने दिल से खौफ निकालिए

(एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से दखल और उससे सहानुभूति रखने वाले लोगों के खिलाफ कि सरकार पाकिस्तान के बजाय घाटी के लोगों से बात करेगी और उनकी समस्याओं को सुनेगी। शाह ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि कश्मीर में अमन चैन में खलल डालने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र शासित क्षेत्र के वर्तमान शासन ने भ्रष्टाचार खत्म करने के लिये प्रशासन में बदलाव किए हैं और आज लोगों को किसान सम्मान और गरीबों को पेंशन जैसी योजनाओं का पैसा सीधा उनके खाते में पहुंच रहा है। शाह आखिरी दिन श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर प्रेक्षागार में सरपंचों की सभा को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री ने कहा, '' मैं कश्मीर के लोगों से बात करने आया हूं। मैं यहां के युवाओं के साथ दोस्ती चाहता हूं।'' उन्होंने कहा कि घाटी के लोगों को गुमराह किया जाता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि कश्मीर का विकास देश के अन्य हिस्सों से अधिक हो। मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को गांव-गांव तक पहुंचाया है। पंचायत के चुनाव में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया है। उन्होंने कहा,''70 साल तक यहां लोकतंत्र को बाधित किया गया है, अब पहली बार यहां लोगों को संविधान भाइयों'को पहली बार आरक्षण का लाभ प्राप्त हुआ है।'' उन्होंने घाटी के लोगों से गुमराह न होने और पत्थरबाजी का दौर फिर न आने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप भी अपने दिल से खौफ निकाल दिजिए। शाह ने कहा, '' फारुक (अब्दुल्ला) साहब पाकिस्तान से बात करने की सलाह देते हैं। मैं घाटी के लोगों से बात करूंगा।'' उन्होंने कहा, ''वे कहते हैं कि पाकिस्तान से बात करो, हुर्रियत से बात करो और ऐसा करके उन्होंने जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को खत्म कर दिया। गृह मंत्री ने सवाल किया कि इस तरह की बातें करने वालों का उद्देश्य क्या है?'' उन्होंने सभा में घेरे को हटवा दिया था और उन्होंने कहा, '' मैं आप लोगों के बीच में बिना बुलेटप्रूफ कवर के आया हूं। मैं घाटी के युवाओं से दोस्ती चाहता हूं।'' गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हर घर में बिजली और पानी पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने श्रीनगर में सरपंचों की सभा में कहा,'' घाटी में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिये प्रशासन में बदलाव किए गए हैं। कश्मीर की जनता को गुमराह करने की कोशिशें की जाती हैं। '' शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का प्रयास है कि जम्मू-कश्मीर में देश के अन्य क्षेत्रों से भी अधिक विकास

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com